गृहिणी
स्वयं सेवी संस्था

REGD.No. 4133

वार्षिक रिपोर्ट

2018–19

पता–प्रोजेक्ट कालोनी व पोस्ट हिरमी, विकासखण्ड–सिमगा, जिला–बलौदाबाजार,भाटापारा (छ.ग.)

संस्था का परिचय

❖ संस्था का नाम	–	गृहिणी स्वयं सेवी संस्था
❖ स्थापना वर्ष	–	1996
❖ पंजीयन क्रमांक	–	4133
❖ एफ. सी. आर. क्रमांक	–	327520044
❖ मान्यता प्राप्त	–	12 ए.
❖ फोन नम्बर	–	07726–281749
❖ ई–मेल	–	grihini.ngo4133@gmail.com
❖ वेबसाइट	–	www.grihiningo.org
❖ पता	–	गृहिणी स्वयं सेवी संस्था अल्ट्राटेक प्रोजक्ट कालोनी ग्राम व पोस्ट –हिरमी, वि.ख.–सिमगा जिला बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.) पिन कोड–493195

गतिविधियॉ–

गृहिणी संस्था में आय अर्जक प्रशिक्षण एवं उत्पादन केन्द्र में हो रहे गतिविधियों को बढ़ाने एवं अधिक से अधिक दिव्यांगो को रोजगार से जोड़ने हेतु बनाने की आवश्यकता पर विस्तृत चर्चा की गई।

❖ समूह आधारित आय अर्जक प्रशिक्षण कार्यक्रम

उद्देश्यः– शासकीय एवं गैर शासकीय संस्था के माध्यम से दिव्यांग समूह सशक्तिकरण हेतु आवासीय एवं गैर आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर दिव्यांगो को रोजगार से जोड़ना।

क्रमॉक	गतिविधि	कार्यक्रम संख्या	प्रतिभागी संख्या
1	उद्यमिता विकास प्रशिक्षण	01	25
2	शैक्षणिक भ्रमण (व्यवसाय हेतु)	01	07
3	बैकयार्ड कुटकुट (मुर्गी) पालन हेतु भ्रमण	01	10
4	बकरी एवं बैकयार्ड कुटकुट पालन	01	26
5	डिटर्जेंट पावडर, फिनाइल, एवं हैण्डवास	01	25

❖ परियोजना अंतर्गत कार्यक्रम

सामाजिक समावेशी परियोजनाः–

परियोजना का उद्देश्यः– दिव्यांगजनों की क्षमता में वृद्धि कर उन्हे स्व वकालत हेतु तैयार करना एवं विकास कार्यक्रमों में भागीदारी बढ़ाना साथ ही दिव्यांजनो के सामाजिक समावेशी हेतु शासकीय तंत्र और अन्य भागीदारों का सुदृढ़ीकरण करना है।

कार्यक्रम का नाम–राज्य स्तरीय वकालत योजना बैठक
प्रतिभागी संख्या–4 पुरूष 1 महिला कुल 5
कार्यक्रम स्थान– होटल सिमरन रायपुर
कार्यक्रम विवरण–
गृहिणी संस्था एवं साईटसेवर्स के संयुक्त प्रयास राज्य स्तरीय वकालत के लिए दिनांक 18.04.2018 को स्थान होटल सिमरन रायपुर में बैठक आयोजित की गई जिसमें डी.पी.ओ के प्रमुख सदस्य बलौदाबाजार, रायपुर, महासमुंद , पिथौरा, धमतरी, कांकेर के सक्रिय सदस्यों ने भागीदारी की और बलौदाबाजार से 5 डी.पी.ओ. एवं छत्तीसगढ़ विकलांग मंच 3 डी.पी.ओ. मौजुद थे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागीयों के परिचय के साथ प्रारंभ की गई , इसके बाद गौरव जैन द्वारा साईटसेवर्स का परिचय दिया एवं परियोजना अधिकारी बताते है कि छत्तीसगढ़ सामाजिक समावेशी परियोजना कार्यक्रम के तहत् दिव्यांग साथी के लिए साईटसेवर्स क्या कर रहा है और आने वाले दिनों में साईटसेवर्स क्या करना चाहते है, फिर वह ब्लाक ,जिला, राज्यस्तरीय, विकलांग व्यक्ति संगठन के महत्व के बारे में चर्चा करते है। और वे राज्य की दिव्यांगा के साथ सुधार के लिए क्या कर सकते हैं इसके बाद जिला और राज्यस्तरीय विकलांग व्यक्ति संगठन का प्रस्तुति , जिसमें डी.पी.ओ. सदस्य साझा करते है कि उन्होने विकलांग व्यक्ति संगठन को कैसे शुरू किया अब तक उन्हे क्या चुनौतियों का सामना करना पड़ता हैं फिर परियोजना अधिकारी ने सभी कड़ी मेहनत के लिए सभी डी.पी.ओ. सदस्यों की सराहना किया गया। अगले सत्र में समूह चर्चा में आयोजित किया गया जिसमें बलौदाबाजार, रायपुर, महासमुद, पिथौरा विकलांग व्यक्ति संगठन एक मंच में सभी डी.पी.ओ. के सहयोग पर चर्चा करते हैं ताकि चर्चा के बाद सरकारी विभागो द्वारा उन्हे पहचाना जा सके सभी सदस्य निष्कर्ष पर पहुचे 2 कवे राज्य स्तर पर छत्तीसगढ़ विकलांग मंच के सहयोग से काम करेंगे। फिर छत्तीसगढ़ के बाद विकलांग मंच के सदस्य अपने उपबंध साझा करते है। कार्यक्रम गौरव जैन के अंत में परियोजना अधिकारी आगामी महीने के लिए कार्य योजना साझा करते हैं जिसमें जिले के डी.पी.ओ. जिलो में सरकारी भवन के अभिगम्यता अध्ययन का संचालन करेंगे जो बाधामुक्त वातावरण की स्थिति जानने में मदद करेगा।

फोटोः– राज्य स्तरीय वकालत योजना बैठक

कार्यक्रम का नाम– दिव्यांग जागरूकता रैली

प्रतिभागी संख्या– पुरूष 78 महिला 22 कुल 100

कार्यक्रम स्थान– ब्लाक पलारी

कार्यक्रम विवरण– गृहिणी स्वयं सेवी संस्था एवं साइटसेवर्स के संयुक्त प्रयास से छ.ग. सामाजिक समावेशी परियोजना अंर्तगत बलौदाबाजार जिले के ब्लाक पलारी में जिलास्तरीय दिव्यांग जनमानव विकलांग कल्याण संघ एवं ब्लाक पलारी के दिव्यांग उत्थान संघ ने दिनांक 28 जून 2018 दिव्यांग जागरूकता रैली गायत्री मंदिर परिसर से जनपद पंचायत कार्यलय में ज्ञापन सौपा जिससे वह स्ववकालत कर शासन एवं दिव्यांग, गैर दिव्यांग तक दिव्यांग अधिकारो के लिए रैली निकाली। इस रैली का मुख्य उद्वेश्य यह था कि शासन उनके अधिकार जिनके जानकारी के अभाव में वंचित किया जाता है उनसे वंचित न किया जाये तथा समाज के लोग उनके के साथ गैर दिव्यागो के भॉती व्यवहार किया जाये इस कार्यशाला में जिले के चार ब्लाक बलौदाबाजार, सिमगा, भाटापारा एवं पलारी के दिव्यांग संघ के पदाधिकारी और दिव्यांग साथी शामिल होकर संघ की मांग को जनपद पंचायत सी.ई.ओ. को मांग का ज्ञापन सौपकर रैली का समापन किया।

फोटोः– दिव्यांग जागरूकता रैली

कार्यक्रम का नाम– दिव्यांग समुहो का उद्यमिता विकास प्रशिक्षण

प्रतिभागी संख्या– पुरूष 8 महिला 17 कुल 25

कार्यक्रम स्थान– महिला सबलीकरण केन्द्र कुथरौद

कार्यक्रम विवरण– गृहिणी स्वयं सेवी संस्था एवं साइटसेवर्स के संयुक्त प्रयास से छ.ग. सामाजिक समावेशी परियोजना अंर्तगत बलौदाबाजार जिले में दिनांक 10 मई से 12 मई 2018 तक तीन दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण महिला सबलीकरण केन्द्र कुथरौद में 12 दिव्यांग समूहो के 30 सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य यह था कि जिले के दिव्यांग समूह में कार्य कर आत्म निर्भर बने एवं परिवार के लिए आजिविका सुनिश्चित कर आर्थिक रूप शसक्त हो इस प्रशिक्षण में प्रशिक्षिका श्रीमती निधि सेन, उद्यमिता विकास अधिकारी युथ फार चेंज छत्तीसगढ़ (सी.वाय.डी.ए.पुणे) द्वारा डिजाईनर व आकर्षक फैसी चुड़ी व कंगन बनाना, पूजा की थाल, राखीयॉ कपडे के गुलाब, मोमबत्ती ,गुलाल, सिंदुर, सजावटी गमले, एवं वंदनवार इत्यादि बहु उपयोगी सामान बनाना तथा सभी उत्पादो को बेचने हेतु व्यवसायिक योजना बनाना सिखाया जिससे दिव्यांग साथी कम लागत लगाकर व्यवसाय प्रारंभ कर सके। वर्तमान मे आज समूह रेशम धागे से निर्मित डिजाइनर चुडियॉ बनाकर दुकानो में बेचना प्रारंभ कर दी है दिव्यागो समूहो को आजिविका में बढ़ोतरी हेतु संस्था 22 समूहो के साथ मिलकर लगातार उन्हे गाय एवं बकरी पालन, मुर्गी पालन ,सिलाई कार्य, अगरबत्ती , मशरूम उत्पादन, सायकल रिपेरिंग, स्वयं के जनरल स्टोर्स के क्षेत्र में सहयोग कर रही है जिसमें सस्था के कार्यकर्ताओं की प्रमुख भुमिका है।

फोटोः– दिव्यांग समुहो का उद्यमिता विकास

कार्यक्रम का नाम– शैक्षणिक भ्रमण (व्यवसाय हेतु)

प्रतिभागी संख्या– पुरूष 4 महिला 3 कुल 7

कार्यक्रम स्थान– रॉची प्रेस क्लब

कार्यक्रम विवरण– गृहिणी स्वयं सेवी संस्था एवं साइटसेवर्स के संयुक्त प्रयास से छ.ग. सामाजिक समावेशी परियोजना अंर्तगत बलौदाबाजार जिले आजिविका से जुड़े दिव्यांग समूहो को शैक्षणिक भ्रमण दिनांक 17 मई 2018 को रॉची प्रेस क्लब में किय गया इसका मुख्य उद्धेश्य यह था कि कि समुह बाजार एवं व्यवसाय के बारे जान सके एवं उन्हे किस प्रकार से सामूहिक गतिविधि को बढाकर अपने आय में वृद्वि कर सके इस कार्यशाला में कार्य कर रहे देश के अन्य राज्यों जिसमें झारखंड, बिहार, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के प्रतिभागी शामिल हुए जो कि अपने हाथो से बनाये सामाग्री को बेचने के लिए आये हुए थे। इस कार्यशाला में 78 दिव्यांग साथीयों ने 20 जगह अपना दुकान स्टाल लगाया था गृहिणी संस्था के सहयोग से बलौदाबाजार के 4 समुहो के 6 सदस्यों ने इस कार्यशाला में भाग लिया अपने निम्न उत्पाद अगरबत्ती, चायपत्ती, मशाला, कपडा बैग, स्लिक चुड़ी, डिजाइनर सलवार,ब्लाउज, उत्यादि थे।

फोटोः– शैक्षणिक भ्रमण (व्यवसाय हेतु)

कार्यक्रम का नाम–यु.ई. ओरिएंटेशन राज्यस्तरीय डी.पी.ओ सदस्यो के साथ
प्रतिभागी संख्या– पुरूष 7 महिला 2 कुल 9
कार्यक्रम स्थान– इंदिरा गॉधी कृषि विश्वविद्यालय भवन
कार्यक्रम विवरण– साईटसेवर्स द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला एवं यु. ई. प्रोजेक्ट समिति के साथ दिनांक 8 मई 2018 को इंदिरा गॉधी कृषि विश्वविद्यालय के भवन में दिव्यांग संघ सदस्य जिसमें राज्य के 3 जिले के 8 ब्लाक से पुरूष 32 , महिला 17 कुल 49 प्रतिभागी ने भाग लिया इस कार्यशाला में राज्यस्तरीय डी.पी.ओ. सदस्य, गृहिणी एवं समर्थ के प्रतिभागीयो ने भाग लिया इस कार्यशाला का यु.ई. प्रोग्राम अधिकारी ने जानकारी व बारे में मुख्य उद्धेश्य यह है कि दिव्यांग साथी अपना आर्थिक विकास एवं शशक्तिकरण कर अपना विकास किस प्रकार कर सकते है यह प्रोजेक्ट 5 राज्यों में छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्यप्रदेश, उड़ीसा, राजस्थान में कार्य प्रारंभ करेगी। साईटसेवर्स के अध्यक्ष श्री प्रसन्ना कुमार और श्री रविशंकर प्रोग्राम मैनेजर ने यह जानकारी दी कि 15 दिव्यांग सदस्य आने वाले 3 वर्षो में दिव्यांगो की समस्या पर स्ववकालत कर अधिकारो के लिए जिला एवं राज्यस्तरीय पर मुददा तैयार कर चुने हुए दिव्यांग सदस्य इस कार्ययोजना पर कार्य करेगी।

फोटोः– यु.ई. ओरिएंटेशन राज्यस्तरीय डी.पी.ओ

कार्यक्रम का नाम–ब्लाक स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम
प्रतिभागी संख्या– पुरूष 258 महिला 114 कुल 372
कार्यक्रम संख्या– 04
कार्यक्रम स्थान– सिमगा, पलारी, बलौदाबाजार एवं भाटापारा
कार्यक्रम विवरण– गृहिणी स्वयं सेवी संस्था एवं साइटसेवर्स के संयुक्त प्रयास से छ.ग. सामाजिक समावेशी परियोजना अंर्तगत बलौदाबाजार जिले चार ब्लाक सिमगा, पलारी, बलौदाबाजार, भाटापारा में दिनांक 21.06.2018, 22.06.2018, 23.06. 2018, एवं 25.06.2018 को ब्लाक स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम से पुरूष 258 महिला 114 कुल 372 लोगो को इस कार्यक्रम में दिव्यांग अधिकार , आर. पी.डब्लू. डी. एक्ट 2016, दिया गया। इस कार्यक्रम पूर्व जिला पंचायत सदस्य, सरपंच, उपसरपंच, सचिव, पंच, आंगनबाडी कार्यकर्ता, मितानीन , एन.आर.एल.एम. कि सक्रिय महिला, एवं गैर दिव्यांग साथी ने सक्रिय भागीदारी कर कार्यक्रम को सफल बनाया। जिला एवं ब्लाक स्तर के डी.पी.ओ. सदस्य दिव्यांग अधिकार की जानकारी खेल के माध्यम से दी गई गुब्बारा फुलाना, मोमबत्ती जलाना, प्रश्नोत्तरी के माध्यम से जागरूक करना विजयी खिलाडी को पुरूस्कार वितरण किया गया। संस्था कार्यकर्ता एवं डी.पी.ओ. साथियो के द्वारा सफल दिव्यांगो साथियो को उनके कार्यो के लिए प्रोत्साहित किया गया डी.पी.ओ. सदस्यो के द्वारा गैर दिव्यांग साथी शिक्षा, रोजगार , के लिए स्ववकालत किया गया।

फोटोः– ब्लाक स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम

कार्यक्रम का नाम– राज्य स्तरीय स्ववकालत कार्यशाला
प्रतिभागी संख्या– पुरूष 16 , महिला 04 कुल 20
कार्यक्रम स्थान– महिला सबलीकरण केन्द्र कुथरौद
कार्यक्रम विवरण–साईटसेवर्स द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला दिनांक 28 जून 2018 महिला सबलीकरण केन्द्र कुथरौद में दिव्यांग संघ सदस्य जिसमें राज्य के 5 जिले से पुरूष 16 , महिला 04 कुल 20 दिव्यांग संघ प्रतिभागी एवं गृहिणी एवं समर्थ के प्रतिभागीयो ने भाग लिया इस कार्यशाला का गृहिणी अध्यक्ष ने कार्यशाला के बारे में जानकारी व मुख्य उद्धेश्य के बारे दिव्यांगो को बताया राज्यस्तर पर दिव्यांग संघ बनाकर राज्यस्तर पर होने वाली समस्याओ को स्ववकालत के माध्यम से शासन तक ले जाकर समस्या का निराकरण कराना है। इसके बाद चर्चा के माध्यम से प्रतिभागियो को राज्य स्तर के डी.पी.ओ. नेटवर्क बनाने पर अपनी राय साझा करता है जिसमे वे दिव्यांग की समस्याओ आवश्यकता और समाधान के बारे में भी चर्चा करते है। अगले सत्र में प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय डी.पी.ओ. संघ मोर संग चलव नाम से नये संघ का गठन कर इस वर्ष प्रतिभागियो को दिव्यांगो के मुददे से संबंधित राज्यस्तरीय स्ववकालत कर जैसे बाधमुक्त, शिक्षा, रोजगार, पेंशन में वृद्धि, आदि मुददो पर दिव्यांग संघ ने जिम्मेदारी ले कर कार्यशाला समप्पन हुई।

फोटोः– राज्य स्तरीय स्ववकालत कार्यशाला

कार्यक्रम का नाम–एक दिवसीय बाधामुक्त प्रशिक्षण कार्यशाला
प्रतिभागी संख्या– पुरूष 19 , महिला 06 कुल 25
कार्यक्रम स्थान– महिला सबलीकरण केन्द्र कुथरौद
कार्यक्रम विवरण– साईटसेवर्स द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला दिनांक 29 जून 2018 महिला सबलीकरण केन्द्र कुथरौद में दिव्यांग संघ सदस्य जिसमें राज्य के 6 जिले बलौदाबाजार, रायपुर, महासमुद, कांकेर, धमतरी, बालोद,से पुरूष 19 , महिला 06 कुल 25 दिव्यांग संघ प्रतिभागी एवं गृहिणी एवं समर्थ के प्रतिभागीयो ने भाग लिया इस कार्यशाला प्रशिक्षक ईश्वर छाटा ने ''सुग्मय बाधामुक्त वातावरण'' शब्द को समझने को कहा था। प्रशिक्षक ने इस तथ्य पर जोर दिया कि

सुगम्यता को समझने के लिए सभी लोगो के लिए केवल दिव्यांग ही नहीं बल्कि सभी के लिए पहुॅच जैसें गर्भवती महिला, बुजुर्ग, भारी सामान ढोनें वाले, छोटे बच्चो के पहुॅच कि सुविधा होनी चाहिए। सुगम्यता समाज में एक अच्छा महौल प्रदान करता है जिसमे विकलांग व्यक्ति को इमारतों, सड़को, और अन्य स्थान पर पहुॅचने के लिए ही नही बल्कि गैर दिव्यांग व उम्र दराज व्यक्ति व बच्चों को भी सुविधा होती है। सरकारी और निजी संस्थाओं को जैसे स्कुल, अस्पताल, कार्यस्थलों सहित बाहरी एवं भीतरी वातावरण में बाधाओं और बाधाओं को खत्म करना चाहिए। प्रजेंटेशन के माध्यम से वीड़ियों और फोटो दिखाया गया ताकि रोजमर्रा के वातावरण में पहुॅच के लिए अलग–अलग बाधाए दिखाई दे रहे हल किया जा सके जैसे सीढ़ियों के साथ कोई रैम्प कोई हैंड्रिल , संकीर्ण दरवाजे , शौचालय, खुली नालिया आदि । जो दिव्यांग व्यक्तियों व्यक्तियों को पहुॅच की जरूरतों को समझने और बाधाओं शारिरिक, सामाजिक संरचनात्मक और अनुवांशिक बाधाओं कि पहचान करने में मदद कर सके। सड़क सुरक्षा उपायों जैसे सड़क संकेत सिग्नल क्रासिंग, स्टाप लाइन,और जेबरा क्रासिंग, ट्रैफिक सिग्नल, अडियों बीपर के बारे में चर्चा करना है। आखिर प्रशिक्ष्क द्वारा व्यावहारिक सत्र आयोजित कर दी गई प्रशिक्षण के बारे में जानकारी ली गई। तथा सभी दिव्यांगो को जिम्मेदारी दी गई ब्लाक स्तर पर तीन शासकीय भवनों का निरक्षण कर सुगम्यता कि जॉच कर रिपोर्ट बनाकर कर संस्था का सहयोग प्रदान कर सके जिससे आने वाले वर्ष में स्ववकालत के माध्यम से शासन के समक्ष यह बात रख सकें।

फोटोः– एक दिवसीय बाधामुक्त प्रशिक्षण कार्यशाला

कार्यक्रम का नाम– बैकयार्ड कुटकुट (मुर्गी) पालन हेतु भ्रमण
प्रतिभागी संख्या– 10 पुरूष कुल 10
कार्यक्रम स्थान– द गोट ट्रस्ट लखनाऊ

कार्यक्रम विवरण– गृहिणी स्वयं सेवी संस्था एवं साइटसेवर्स के संयुक्त प्रयास से छ.ग. सामाजिक समावेशी परियोजना अंर्तगत बलौदाबाजार जिले आजिविका से जुड़े दिव्यांगो को शैक्षणिक भ्रमण के लिए दिनांक 14 जुलाई सें 15 जुलाई 2018 तक लखनाऊ को द गोट ट्रस्ट लखनाऊ में बैकयार्ड कुटकुट पालन के लिए प्रशिक्षण 10 दिव्यांगो को भेजा गया जिससे वे अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार कर सके। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान प्रशिक्षक डॉ.जितेन्द्र ने बताया दिव्यांगो को देशी मुर्गी मे मॉस व अण्डा उत्पादन बहुत कम होता है। देशी मुर्गी 70से 80 अंडे मुर्गी प्रतिवर्ष और मांस उत्पादन की बहुत कम है। घर के पिछवाड़े में मुर्गी का पालन करना आसान है और उन्नत किस्म के मुर्गी का पालन कर उत्पादन बढ़ाया जा सकता है जिससे पालनकर्ता के आर्थिक स्थिति में बढोतरी किया जा सकता है। इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान निम्न जानकारी जैसे मुर्गी व बच्चे का रखरखाव करना, आहार, तथा चुजे निकालने की मशीन की जानकारी दी गई।

दिव्यांगो ने नजदीक के ग्रामो में मुर्गी पालन कर रहे लोगों से मिलकर और अच्छी से जानकारी लिया।

फोटोः– बैकयार्ड कुटकुट (मुर्गी) पालन हेतु भ्रमण

कार्यक्रम का नाम– छ.ग युवा उद्यमिता कार्यशाला
प्रतिभागी संख्या– 09 पुरूष कुल 09
कार्यक्रम स्थान– किट इंस्टयुट मन के.एस.बी.एम. कैम्पस रायपुर
कार्यक्रम विवरण– छ.ग. युवा उद्यमिता कार्यशाला का आयोजन दिनो 17 अगस्त से 19 अगस्त 2018 तक किट इंस्टयुट मन के.एस.बी.एम. कैम्पस रायपुर में रखा गया है जिसमें गृहिण संस्थ कि ओर से 09 प्रतिभागी इस कार्यशाला में सम्मिलित हुए जिन्होने अभी वर्तमान में अपना छोटा–छोटा व्यवसाय प्रारंभ किया है कार्यशाला के दौरान कार्यक्रम विभिन्न संघर्षशील व्यक्तियों ने उपस्थित प्रतिभागीयों का हौसला बढ़ाने एवं नौकरी की अपेक्षा व्यवसाय प्रारंभ कर अच्टो एवं सफल उद्यमी के बनने हेतु प्रोत्साहित किया गया कार्यक्रम में बहुत ही अनुभवी व्यक्तियों ने बुलाया था जिन्होने अपना जीवन किस तरह से संघर्ष कर आगे बढ़ाया एवं एक सॅल उद्यमी के रूप में सफलता प्राप्त किया है। साथ साथ उपस्थित प्रतिभागीयों से उनकी व्यवसाय के बारे में एवं उनकी आगे की सोच है उसके अनुसार मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रो से सफल उद्यमी उपस्थित रहा जिसमें कृषि क्षेत्र,संगीत के क्षेत्र, कम्प्युटर सेंटर, स्व सहायता समूह से ऐसे विभिन्न सफल लोगो ने अपना अनुभव सभी को शेयर किया।

फोटोः– **छ.ग युवा उद्यमिता कार्यशाला**

कार्यक्रम का नाम– जागरूकता रैली
प्रतिभागी संख्या– कुल 90
कार्यक्रम स्थान– जिला बलौदाबाजार में जागरूकता रैली
कार्यक्रम विवरण– जिला स्तरीय दिव्यांग संघ बलौदाबाजार द्वारा जिला बलौदाबाजार में जागरूकता रैली कार्यक्रम आयोजित किया जिसमे कुल 90 दिव्यांग साथियों ने भाग लिया उन्होने कलेक्टर महोदय के साथ स्व वकालत के द्वारा जिले में दिव्यांगो को हो रही परेशानी से अवगत कराया जो निम्न है–

1. दिव्यांगो द्वारा पिछली आवेदन कि समीक्षा ।
2. सरकारी कार्यलय,अस्पताल,बैंक , ग्राम पंचायत में बाधमुक्त वातावरण तैयार कराना।
3. मनरेगा जॉब कार्ड और दिव्यांगो को अपने कौशन के आधार पर काम देना।
4. दिव्यांगता के आधार पर दिव्यांगो को सहायक उपकरण प्रदान करना।
5. ऋण देने वाले संस्थाओ के साथ दिव्यांग समूहो को जोडना।
6. प्रधानमत्री आवास योजना (पीएमएएसवाई) के लिए दिव्यांगो को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।
7. दिव्यांगो को पेंशन नियमित भुगतान।
8. बलौदाबाजार जिले में एक स्टाप सेंटर खोलने के लिए।
9. दिव्यांगो व्यक्तियों के लिए एन.एच.एफ.डी.सी ऋण ।
10. दिव्यांग व्यक्तियों बच्चो और युवाओं के लिए शिक्षा सुविधा में सुधार करना।
11. प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवाई) के तहत दिव्यांगो के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करना।

फोटोः– जागरूकता रैली

कार्यक्रम का नाम– साझा कार्यशाला (बकरी एवं बैकयार्ड कुटकुट पालन)
प्रतिभागी संख्या– पुरूष 20 महिला 6 कुल 26
कार्यक्रम स्थान– बलौदाबाजार जिला के पशुपालन ट्रेनिंगहॉल
कार्यक्रम विवरण– दिनॉक 01.09.2018 को गृहिणी स्वयं सेवी संस्था एवं साइटसेवर्स तथा पशुपालन विभाग के संयुक्त प्रयास से छ.ग. सामाजिक समावेशी परियोजना अंर्तगत बलौदाबाजार जिला के पशुपालन ट्रेनिंगहॉल मे जिला के चार ब्लाक सिमगा, बलौदाबाजार, पलारी एवं भाटापारा के पुरूष 20 महिला 6 कुल 26 दिव्यांगो को बकरी एवं बैकयार्ड कुटकुट पालन प्रशिक्षण दिया गया जिससे वे अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार कर सके।
डॉ. वंदना रात्रे नें दिव्यांगो को पूछा कि कितने दिव्यांग बकरी व मुर्गी पालन कर रहे है और किस प्रकार देखभाल कर रहे है। ततपश्चात दिव्यांगो को प्रजेंटेशन के माध्यम से बकरी पालन , बकरी की नस्ल जानकारी, देखरेख, टिकाकरण, बिमारी, की जानकारी दी तथा लोगो को बताया कि अच्छे नस्ल की बकरी एवं परांपरागत गॉव में पालन कि जा रही बकरी अंतर यह होता अच्छे नस्ल की बकरी का बढवार, दुग्ध उत्पादन, इत्यादि की जानकारी दिया।
उसके बाद स्वस्थ पशु एवं बिमार पशु में अंतर तथा उनके राग के अनुसार टिकाकरण तथा ग्राम स्तर पर देशी औषधि से ईलाज उपचार करने को बताया जिनमें निम्न रोग चेचक, खुरपका. मुॅहपका, दस्त (पोकना) आदि। तथा प्राथमिक उपचार कर पशु डॉक्टर से ईलाज कराने की जानकारी दी।
ततपश्चात डॉ. कुरैशी ने चलचित्र के माध्यम से मुर्गी का पालन एवं रखरखाव की जानकारी दी दिव्यांगो को देशी मुर्गी मे मॉस व अण्डा उत्पादन बहुत कम होता है। देशी मुर्गी 70से 80 अंडे मुर्गी प्रतिवर्ष और मांस उत्पादन की बहुत कम है। घर के पिछवाड़े में मुर्गी का पालन करना आसान है जैसे कडकनाथ, लेयर, कॉकरेल, बायलर इन मुर्गीं का मॉस एवं अण्डा का अच्छा उत्पादन करता है उन्नत किस्म की मुर्गी 1वर्ष मे लगभग 180–200 अण्डा देती है असी प्रकार इनका मॉस उत्पादन 30से 45 दिनो में 1 किलोग्राम से 1.500 किलोग्राम तक हो जाती है तथा बाजार के अनुसार मांग भी बहुत है। उसके बाद

शेड की जानकारी दी गई चुजे में लगने वाले रोग एवं टिकाकरण की जानकारी दी गई तथा स्वस्थ एवं अस्वस्थ मुर्गी के लक्ष्ण भी बताया गया। उन्नत किस्म के मुर्गी का पालन कर उत्पादन बढ़ाया जा सकता है जिससे पालनकर्ता के आर्थिक स्थिति में बढोतरी किया जा सकता है। निम्न जानकारी जैसे मुर्गी व बच्चे का रखरखाव करना, आहार, तथा चुजे निकालने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम को समापन करने के लिए सभी दिव्यांगो एवं शासकीय अधिकारी को धन्यवाद देकर ईच्छुक पालनकर्ता को व्यवसाय प्रारंभ कर अपने आर्थिक स्थिति को सुधार कर सबल बनने को प्रेरित किया गया जिससे वह गैर दिव्यागों की तरह अपना जीवन निर्वाह कर सकें ।

फोटोः– साझा कार्यशाला (बकरी एवं बैकयार्ड कुटकुट पालन)

कार्यक्रम का नाम– साझा कार्यशाला (जिला स्तरीय दिव्यांग जनों हेतु सुग्मय मतदान जागरूकता)

प्रतिभागी संख्या– पुरूष 31 महिला 10 कुल 41

कार्यक्रम स्थान– बलौदाबाजार जिला के पशुपालन ट्रेनिंगहॉल

कार्यक्रम विवरण– गृहिणी स्वयं सेवी संस्था एवं साइटसेवर्स तथा समाज कल्याण विभाग के संयुक्त प्रयास से छ.ग. सामाजिक समावेशी परियोजना दिनॉक 29.09.2018 को परियोजना अंर्तगत बलौदाबाजार जिला के हॉटल द पार्क प्लाजा मे जिला के चार ब्लाक सिमगा, बलौदाबाजार, पलारी एवं भाटापारा के पुरूष 31 महिला 10 कुल 41 दिव्यांगो को जिला स्तरीय दिव्यांग जनों हेतु सुग्मय मतदान जागरूकता कार्यक्रम प्रशिक्षण दिया गया जिसमें जिले के दिव्यांग द्वारा मतदान में ज्यादा से ज्यादा भागीदारी कर मतदान से संबधित वोट डालने की प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम का शुरूआत संस्था की ओर से समाज कल्याण विभाग उपसंचालक और मास्टर ट्रेनर का स्वागत कर किया गया उसके बाद गृहिणी संस्था का चलचित्र के माध्यम से संस्था का परिचय दिया गया। उसके बाद दिव्यांग संघ सदस्यों के द्वारा यह जानने के लिए की उनके गॉव में वोटिंग के दौरान क्या क्या समस्या आई इस बात की जानकारी चुनाव आयोग के अधिकारियों को अवगत कराने का प्रयास करें जिससे वह इसका हल ढुंढ सके। तब प्रशिक्षक श्री राकेश सिंह सौमर्त्या और श्री रूद्र कुमार चंद्रवंशी दिव्यांग लोगो मतदान की प्रक्रिया का व्याख्या करते है। इसके बाद चुनाव आयोग के अधिकारियों के साथ डेमो सेशन आयोजित कर पोंलिंग बुथ में दिव्यांग किस तरह समस्या का सामना करते है, और यह भी सुझाव देते है कि क्या करना है। राज्य स्तरीय प्रशिक्षक श्री एस तिवारी ने रोल प्ले और डेमो सत्र देखने के बाद कहा कि यह पोलिंग बुथ पर साइनेज बोर्ड का उपयोग किया जाएगा एवं दिव्यांग को सहायक उपकरण भी प्रदान करेंगे। पोलिंग बुथ पर और यह भी उल्लेख करे की यदि कोई भी दिव्यांग किसी भी पोलिंग बुथ तक पहुॅचने के लिए सहायक उपकरण एवं दिव्यांगो को कतार में खड़े होने की आवश्यकता नही है। उन्हे चुनाव अधिकार द्वारा विशेष वरीयता दी जाती है। श्रीमती आशा शुक्ला उपसंचालक समाज कल्याण विभाग ने कहा की भारत चुनाव आयोग ने कहा है कि दिव्यांग पर विशेष ध्यान देने के साथ मतदाता और दिव्यांग को शामिल करने के "मत छोडो " विषय को भारत चुनाव आयोग ने रणनीतिक 2016 योजना में विशेष ध्यान दिया गया है। अंत में उन्होने कहॉ की हमारा वोट हमारी शक्ति है हम यह सुनिश्चित करे की हम इसका उपयोग करे और हम सभी को हर साल चुनाव में मतदान करना होगा। कार्यशाला के अंत में प्रशिक्षक ने व्ही.व्ही.पी.ए.टी. इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन का उपयोग करने के लिए व्यवाहारिक सत्र आयोजित करतें है।

फोटोः– साझा कार्यशाला (जिला स्तरीय दिव्यांग जनों हेतु)सुग्मय मतदान

कार्यक्रम का नाम– साझा कार्यशाला क्षमता विकास प्रशिक्षण (डिटर्जेंट पावडर, फिनाइल, एवं हैडवास)

प्रतिभागी संख्या– पुरूष 18 महिला 7 कुल 25

कार्यक्रम स्थान– महिला सबलीकरण महिला कुथरौद

कार्यक्रम विवरण– गृहिणी स्वयं सेवी संस्था, साईटसेवर्स के संयुक्त प्रयास से जिले के सक्रिय दिव्यांग समूहों को आय अर्जक गतिविधि बढोत्तरी के लिए दिनॉक 23 सितम्बर 2018 सें 25 सितम्बर 2018 तक बलौदाबाजार जिले के चार विकासखण्ड के पुरूष 18 महिला 7 कुल 25 दिव्यांगो को हर घर की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिटर्जेट पाउडर एवं फिनाईल, निर्माण का तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन महिला सबलीकरण महिला कुथरौद में किया गया जिसमें निविदिता फाउन्डेषन जांजगीर–चांपा से शिप्रा जी एवं संतनदास जी ने फिनाईल एवं डिटर्जेट बनाने से लेकर कच्चेमाल की उपलब्धता व मार्केटिंग का विस्तृत जानकारी दिया गया।

प्रशिक्षण समापन के अवसर पर अल्ट्राटेक सीमेंट संयंत्र से पंपलिया एवं श्रीवास्तव मैडम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही और प्रषिक्षित दिव्यांगो को व्यवसाय आगे बढाने प्रेरित किया अल्ट्राटेक ग्रामीण विकास विभाग से वैभव त्रिपाठी,एवं शिरिष मिश्रा जी ने प्रतिभागीयों को उत्पाद के विक्रय संबंधी जानकारीयॉ प्रदान किया गया।

फोटोः– क्षमता विकास प्रशिक्षण (डिटर्जेंट पावडर, फिनाइल, एवं हैडवास)

कार्यक्रम का नाम– जागरूकता कार्यशाला (दिव्यांग महिलाओं के लैंगिक असमानता संबंधी अधिकार)

प्रतिभागी संख्या– कुल महिला 65 **कार्यक्रम स्थान–** हॉटल पार्क प्लाजा बलौदाबाजार

कार्यक्रम विवरण– गृहिणी स्वयं सेवी संस्था, साईटसेवर्स के संयुक्त प्रयास से दिनॉक 27 सितम्बर 2018 को जिलास्तरीय साझा कार्यशाला का आयोजन हॉटल पार्क प्लाजा बलौदाबाजार में आयोजित किया गया। जिसमें दिव्यांग महिलाओं के लैंगिक असमानता संबंधी अधिकार विषय पर महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ मिलकर कार्यक्रम के प्रशिक्षिका मनीषा वत्स मास्टर ट्रेनर परामर्शदाता रायपुर द्वारा महिला हिंसा (घरेलु हिंसा), बाल यौन शोषण, लैगिंक असमानता महिलाओं के अधिकार विषय पर विस्तृत जानकारियां चलचित्र के साथ समझाया तथा सखी वन स्टाप सेंटर , महिला हेल्प लाईन 181, चाईल्ड हेल्प लाईन 1098, एकल हेल्प लाईन 112, संजीवनी एक्सप्रेस 108, तथा महतारी एक्सप्रेस हेल्प लाईन 102, के संबंध में पुर्ण जानकारी प्रदान किया गया साथ हि पाक्सो एक्ट का वर्णन प्रशिक्षिका द्वारा किया गया।

महिला एवं बाल विकास विभाग से भाटापारा सेक्टर पर्यवेक्षक ललिता मिश्रा जी द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमान विपिन जैन जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग बलौदाबाजार द्वारा दिव्यांगो को अपने अधिकारो के संरक्षण के लिए प्रेरित करते हुए कार्यक्रम आयोजन हेतु एवं भागीदारी हेतु बधाई देते हुए हर संभव विभागीय सहयोग प्रदान करने की बात कहीं।

कार्यक्रम को प्रभावशाली बनाने मनीषा वत्स जी द्वारा दिये गये प्रशिक्षण पर प्रश्नोत्तरी किया गया।

उक्त कार्यक्रम में बलौदाबाजार, लवन व भाटापारा के पर्यवेक्षेक जिले के विभिन्न ग्रामों से लगभग 75 दिव्यांग महिलाएं उपस्थित रही कार्यक्रम को सफल भागीदारी किया।

फोटोः– जागरूकता कार्यशाला (दिव्यांग महिलाओं के लैंगिक असमानता संबंधी अधिकार)

कार्यक्रम का नाम– जागरूकता कार्यशाला दिव्यांग समूहों को अभिविन्यास एवं आजिविका हेतु राज्यस्तर पर छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजिविका मिशन (बिहान)

प्रतिभागी संख्या– पुरूष 15 महिला 10 कुल 25

कार्यक्रम स्थान– हॉटल सात्विक रायपुर

कार्यक्रम विवरण– गृहिणी स्वयं सेवी संस्था, साईटसेवर्स के संयुक्त प्रयास से दिव्यांग समूहों को अभिविन्यास एवं आजिविका हेतु राज्यस्तर पर छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजिविका मिशन (बिहान) विभाग के साथ मिलकर दिनॉक 06 अक्टुवर 2018 के साथ राज्यस्तरीय साझा कार्यशाला का आयोजन हॉटल सात्विक में आयोजित किया गया। कार्यक्रम संचालन के लिए गृहिणी संस्था अध्यक्ष रूपा श्रीवास्त्व द्वारा संस्था का परिचय चलचित्र के माध्यम से दी गई एवं संस्था के लक्ष्य एवं उद्धेश्य के बारे में कार्यशाला में उपस्थित लोगो को दी गई। ततपश्चात दिव्यांग जनों एवं स्टाफ हेतु आयेजित उन्मुखीकरण कार्यशाला से छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजिविका मिशन (बिहान) अंतर्गत कार्यरत दो विशेषज्ञ श्री निर्मलचंद प्रसाद (एस.एम. आई.बी.) एवं श्री जगजीत मिंज (एस.आई.एस.डी.) एन.आर.एल.एम. (बिहान) के उद्वेश्य एवं लक्ष्य के बारे में जानकारी दी गई जिसमें ग्रमीण महिलाओं एवं दिव्यांगो के समूह गठन करना, तथा बिहान पंचसुत्र, समूह प्रबंधन , चक्रिय निधि, तथा आजिविका एवं समूह के विजनिंग की जानकारी कार्यशाला के माध्यम द्वारा दी गई। इस कार्यशाला में गृहिणी संस्था एवं समर्थ के कार्यकर्ता एवं ग्रमीण क्षेत्र के 25 दिव्यांग उपस्थित रही।

फोटोः–जागरूकता कार्यशाला दिव्यांग समूहों को अभिविन्यास एवं आजिविका हेतु राज्यस्तर पर छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजिविका मिशन (बिहान)

कार्यक्रम का नाम– जागरूकता कार्यशाला (विश्व दृष्टि दिवस)

प्रतिभागी संख्या– 60 पुरूष, 37 महिला, कुल 97

कार्यक्रम स्थान– ग्राम पंचायत दतान(प.)

कार्यक्रम विवरण– गृहिणी स्वयं सेवी संस्था, साईटसेवर्स के संयुक्त प्रयास से दिव्यांग विश्व दृष्टि दिवस के अवसर पर दिव्यांगों एवं गैर दिव्यांगो का निःशुल्क नेत्रजॉच एवं सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला ग्राम पंचायत दतान(प.) पंचायत परिसर दिनॉक 11 अक्टुबर 2018 में रखा जिसमें 60 पुरूष, 37 महिला, कुल 97 प्रतिभागी भाग लिया कार्यक्रम सम्बोधित करते हुए गृहिणी संस्था के जिला समन्वयक प्रणय जॉर्ज ने लोगो को संस्था एवं परियोजना उद्वेश्य के बारे में जानकारी देते हुए

कार्यशाला के प्रयोजन के बारे में उपस्थित लोगो को जानकारी दी गई।

इस कार्यक्रम में नेत्र विशेषज्ञ श्रीमान डॉ. आर.के. साहू , श्रीमती डॉ. शिल्पा साहू, सश्री डॉ. सरीता सुर्यवंशी ने दिव्यांगो एवं गैर दिव्यांगो को जागरूक करते हुए ऑख है, तो जहॉन है का नारा से सभी लोगो को प्रेरित किया एवं ऑख की नियमित देखरेख किस प्रकार करना और होने वाली बिमार की जानकारी दी जिसमें धुंधला दिखना नजर की कमजोरी, सिर दर्द एवं ऑखो से ऑसू आना, मोतियाबिंद , दृष्टिदोष इत्यादि की जानकारी दी गई कार्यक्रम के दौरान लोगो को जागरूक करते हुए भोजन में तिरंगा अर्थात तीन रंगो युक्त भोजन हरी सब्जी, दुध, अंडे , चॉवल, शलाद, मौसमी फल नियमित खानपान में लाना है। उसके बाद लोगो को दैनिक दिनचर्या में नेत्र सुरक्षा के लिए ऑख में चोट लगने पर नेत्र विशेषज्ञ से जॉच करना , विद्यार्थी एवं कम्प्युटर से काम करने वाले को कुछ समय के अंतराल में नजर हटाने को कहा गया। जिन लोगो को चश्मा लग गया है उनको अपना चश्मा के नंबर समय–समय पर जॉच कराते रहने की सलाह दी गई।

ततपश्चात जॉच के बाद दिव्यांगो एवं गैर दिव्यांगो को संस्था के द्वारा नेत्र विशेषज्ञो ने दवाई वितरण किया गया।
इस कार्यशाला में ग्राम पंचायत के सरपंच श्रीमान महेश बारले संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम के लिए आभार ब्यक्त करते संस्था को धन्यवाद दिया, गृहिणी संस्था कार्यकर्ता व पलारी के दिव्यांग संघ कार्यकर्ता का विषेश योगदान रहा।

फोटोः– जागरूकता कार्यशाला (विश्व दृष्टि दिवस)

कार्यक्रम का नाम– क्षमता विकास प्रशिक्षण (लीडरशीप और स्ववकालत प्रशिक्षण)
प्रतिभागी संख्या– पुरूष 22 महिला 13 कुल 35
कार्यक्रम स्थान– समस्ती भवन इंन्द्रा गॉधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर
कार्यक्रम विवरण– साईटसेवर्स के द्वारा दिनॉक 28 नवम्बर 2018 से 29 नवम्बर 2018 लीडरशीप और स्ववकालत प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन समस्ती भवन इंन्द्रा गॉधी कृषि विश्वविद्यालय में दिया गया। जिसमें राज्य के 10 जिलों के 22 पुरूष 13 महिला कुल 25 दिव्यांग संघ सदस्यो ने भागीदारी किया। कार्यक्रम की शुरूआत करतें हुए प्रशिक्षक श्री श्याम बोहरे सेवानिवृत्त प्रोफेसर प्रशासनिक अकादमी भोपाल से हुई प्रशिक्षक ने कार्यक्रम प्रमुख उद्देश्य को साझा करते हुए सरल शब्द में स्ववकालत की व्याख्या करते है और कैसे दिव्यांग व्यक्ति संगठन विभिन्न मुददो के लिए विभिन्न स्तरों पर अपने अधिकारों और अधिकारो के लिए स्ववकालत कर सकता है। प्रशिक्षक ने कहॉ कि वकालत करने के लिए दिव्यांग व्यक्ति दिव्यांग संगठन बहुत महत्वपूर्ण भूमिकर निभाता है क्योकि एकता के बिना कोई भी उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर सकता है। उन्होने अच्छे दिव्यांग लीडर की गुण पर भी प्रकाश डाला। श्री श्याम ने कहा कि दिव्यांग व्यक्ति को किसी भी चीज के लिए वकालत करने से पहले अपने अधिकारो और अधिकारो की जानकारी होनी चाहिए। फिर वह विभिन्न सार्वजनिक और निजी विभागो के लिए प्रभावी वकालत करने की विधि पर भी ध्यान केन्द्रित करता है। सुचना अधिकार के बारे में चर्चा करते हुए आरटीआई की प्रक्रिया के बारे में बताते है कि कैसे उसका उपयोग कर सकते है। अंत में दिव्यांग संघ के लीडर को ग्राम सभा में भागीदारी कर तथ्य आधरित मुददो पर स्ववकालत करने को कहॉ गया।

फोटोः– क्षमता विकास प्रशिक्षण (लीडरशीप और स्ववकालत प्रशिक्षण)

कार्यक्रम का नाम– विश्व दिव्यांग दिवस) दिव्यांग संघ बैठक एवं जागरूकता कार्यक्रम

प्रतिभागी संख्या– पुरूष 229 महिला 230 कुल 459

कार्यक्रम स्थान– ग्राम पंचायत लाहोद**,** ग्राम पचायत मुण्ड़ा

कार्यक्रम संख्या– 02

कार्यक्रम विवरण– दिनॉक 03 दिसम्बर 2018 को ग्राम पंचायत लाहोद में आॅगनबाडी कार्यकर्ता मितानिन तथा जनप्रतिनिधि के साथ मिलकर जनजागृति दिव्यांग संघ सदस्य और दिव्यांग समूह सदस्यों ने विश्व दिव्यांग दिवस मनाया जिसमें पुरूष 12 महिला 20 कुल 32 दिव्यांग उपस्थित रहें कार्यक्रम के दौरान दिव्यांग अधिकार , तथा दिव्यांगो के बेहतर जीवन के लिए सहयोग की बात कहीं गई उपस्थित ग्राम पंचायत जनप्रतिनिधि नें दिव्यांगो को हर संभव मदद् करनें एवं समूह द्वारा उत्पादित सामग्री का विक्रय ग्रामस्तर पर कर दिव्यांग समूह के आय अर्जक गतिविधि बढ़ोतरी कर उन्हे गैर दिव्यांगो के भॉती सक्षम बनाने में सहयोग करने की बात कहीं गई। दिनॉक 21 दिसम्बर 2018 को ग्राम पचायत मुण्ड़ा के स्कुल प्रांगण में दिव्यांग संघ के द्वारा विश्व दिवयांग दिवस मनाया गया जिसमें ए.के मोटर व अशोक तिवारी , एवं जनप्रतिनिधि के सहयोग कार्यक्रम आयोजन किया गया उक्त कार्यक्रम अनेक दिव्यांग प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने बढ़–चझ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर मोमबत्ती जलाओं प्रतियोगिताओं मं खिलेश्वरी पहले स्थान, द्वितीय स्थान मनीषा ,तृतीय समीर वर्मा पुस्कार प्रदान किया गया। इसी प्रकार रंगोली में प्रथम पुरस्कार हीरा लाल के द्वारा 201 रूपये सीमा भारती तथा यशोदा साहु को गिफ्ट प्रदान किया गया। वहीं छोटा मटका–बडा मटका प्रतियोगिता में प्रथम स्थान यशोदा साहू ने प्राप्त किया, जिसे हीरालाल अग्रवाल ने 201 रू. प्रदान किए। वहीं दूसरे स्थान पर रही अहिल्या व तीसरे स्थान पर सरोजनी को गिफ्ट प्रदान कर सम्मानित किसा गया। इसी प्रकार डिब्बा कार्यक्रम में 25 महिलाओं ने हिस्सा लिया जिसमे प्रथम पुरस्कार निर्मला यादव को 201 रूपये हीरा अग्रवाल ने तथा संयोजक ने गिफ्ट प्रदान किया। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला चिकित्सा अधिकारी अभय सिंह परिहार थे। वहीं सरपंच थानुराम वर्मा, भाजपा नेता हीरा लाल ,सचिव तीरथ कुमार पाठक पंच दिनेश कुमार वर्मा , दतराम वर्मा, खुलेश्री वर्मा, दासवंतिन, रोजगार सहायक सचिव दिनेश वर्मा, एवं गृहिणी कार्यकर्ता उपस्थित थे। ग्राम के सरपंच ने इस तरह का कार्यक्रम हर वर्ष करने की बात कहीं गई।

फोटोः— दिव्यांग संघ बैठक एवं जागरूकता कार्यक्रम (विश्व दिव्यांग दिवस) ग्राम लाहोद एवं मुण्ड़ा

कार्यक्रम का नाम— विश्व दिव्यांग दिवस (दिव्यांग युवक—युवती परिचय सम्मेलन 2018)
प्रतिभागी संख्या— पुरूष 132 महिला 96 कुल 228
कार्यक्रम स्थान— ग्राम पंचायत लाहोद
कार्यक्रम विवरण— गृहिणी स्वयं सेवी संस्था/साईटसेवर्स के संयुक्त प्रयास एवं समाज कल्याण विभाग जिला बलौदाबाजार—भाटापारा के सह—सहयोग से **विश्व दिव्यांग दिवस** के अवसर पर **दिव्यांग युवक—युवती परिचय सम्मेलन** दिनॉक 26 दिसम्बर 2018 दिन बुधवार, स्थान नगर भवन बलौदाबाजार, जिला बलौदाबाजार—भाटापारा (छ.ग.) में आयोजन किया गया जिसमें जिले एवं अन्य राज्यो के पुरूष 132 महिला 96 कुल 228 युवक—युवती सहित पालकों ने भाग लिया कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक श्रीमान प्रमोद शर्मा जी एवं दिव्यांग संघ सदस्यों तथा गृहिणी संस्था अध्यक्ष रूपा श्रीवास्तव ने दीप प्रज्जवलित कर किया इस अवसर पर विधायक श्रीमान प्रमोद शर्मा गृहिणी संस्था के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि सभी को समाज को कंधे से कंधे मिलाकर चलने की अधिकार है और गृहिणी संस्था इस कार्य को बखुबी कर रही है। आज इस तरह का आयोजन कर उन्होने इन दिव्यांग लोगों में जीवन जीने के प्रति एक नयी ललक दिखाया है। मै उन्हे धन्याद देते हुए शासन की योजनाओं का पूरा लाभ दिलवाने का विश्वास दिलाता हूॅं। यह कहकर विधायक महोदय ने दिव्यांगो को हर संभव सहयोग करने की बात कहीं।

कार्यक्रम के दौरान दिव्यांग साथी ने गीत ,वाद्ययंत्र बजाया तथा प्रेरणा गीत, लोकगीत गायन कर सभी दिव्यांग साथी में ऊर्जा भरकर उत्साह बढ़ाया और लोगो को बताया की हम दिव्यांग किसी से कम नही है। इसी प्रकार ग्राम जुड़ा के स्कुली बच्चो ने लोकनृत्य की प्रस्तुति देकर अतिथि एवं दिव्यांगो का उत्साह वर्धन कर शोभा बढ़ाया।

विगत वर्ष में संस्था के प्रयास से चार दिव्यांग जोड़ो का विवाह कराया गया था उन दिव्यांगो ने अपना सुखमय वैवाहिक जीवन का अनुभव बताया जिसमें शासन द्वारा प्राप्त विवाह प्रोत्साहन राशि को आय उपार्जन में लगाकर परस्पर एक दुजे के साथ सुखी जीवन निर्वाह कर रहें है संस्था द्वारा गिफ्ट देकर सम्मानित कर उन्हे सुखी दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाऐं दी गई ।

ततपश्चात जिले एवं अन्य राज्यों से युवक—युवती ने अपना परिचय देकर कार्यक्रम को गति प्रदान किया और अपने लिए जीवन साथी के युवक—युवती ने परिचय के माध्यम से भविष्य में सुखी जीवन निर्वाह के लिए व्यक्तिगत एवं पारिवारिक स्थिति के बारे में जानकारी दिया कार्यक्रम के दौरान अपने पसंद से युवक—युवती सहमति होने पर संस्था कार्यकर्ता एवं दिव्यांग संघ सदस्यों के द्वारा हर संभव सहयोग किया गया संस्था द्वारा उपस्थित लोगो को आशवासन दिया गया की आप अपने जीवन साथी चुनने के लिए स्वतंत्र है आप बिना किसी डर एवं भय से निर्णय लेकर अपना सहमति प्रदान करें।

कार्यक्रम आये हुए अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मार्कण्डेय ने दिव्यांग को जागरूक करते हुए कहॉ कि जिले दिव्यांगो को मिलने वाली शासन की योजनाओं लाभ उठायें तथा अपने व अपने परिवार के आजिविका हेतु कार्य कर समाज के मुख्य धारा में जुडकर समाज की अभिन्न अंग बनकर आगे बढ़े उनकी ओर से दिव्यांगो के हित के लिए सतत् कार्य करते रहेगें।

इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष रूपा श्रीवास्तव ने दिव्यांगो को अंतरजातीय विवाह के लिए प्रोत्साहित किया जिससे यह जानकारी दी गई कि शासन से दो लाख रूपये विवाह प्रोत्साहन राशि प्राप्त होगी

उसे आजिविका में लगाकर अपना सुखमय एवं आजिविका में बढ़ोतरी कर सकें।

संस्था के सहयोग से प्रशिक्षण प्राप्त दिव्यांग समूहो द्वारा निर्मित फिनाइल, वॉशिंग पावडर, ज्वैलरी, अगरबत्ती, स्टॉल लगाकर बड़ी मात्रा विक्रय किया गया जिसे अतिथि एवं विभागीय अधिकारी द्वारा सराहना दिया गया एवं भविष्य में विक्रय हेतु बाजार उलब्ध कराने की बात कहीं गई।

जिला बलौदाबाजार के जनमानव विकलांग कल्याण संघ के अध्यक्ष घनश्याम साहू ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि को अभिवादन कर एवं कार्यक्रम में भागीदारी करने के लिए आये हुए युवक–युवतियों को कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया तथा संघ एवं संस्था के उद्धेश्य बताकर कर दिव्यांग अधिकार, योजना, इत्यादि की जानकारी देकर लोगो को एक जुट होकर कार्य करने की बात कहीं तथा दिव्यांग साथी स्वयं जागरूक होकर जिले एवं ब्लाक के दुरस्थ ग्रामो के दिव्यांगों को जागरूक कर ही हम सभी शासन की योजनाओं का लाभ उठा सकतें है।

सभी दिव्यांगो को संबोधित करते हुए कहॉ की जब तक जिलें के एक–एक दिव्यांग साथी को शासन की योजनाओं का लाभ नही मिल पाता तब तक दिव्यांग संघ का कार्य अधुरा है। उसके बाद अतिथि एवं विभागीय अधिकारी को आभार व्यक्त कर कहॉ कि आपके सहयोग के बिना दिव्यांगो के लिए आयोजित कार्यक्रम पुरा नही हो सकता था और भविष्य में दिव्यांगो के हर संभव सहयोग की मॉग कर सभी को धन्यवाद दिया।

समाज कल्याण विभाग के उप संचालक आशा शुक्ला नें शासन की योजनाओं की जानकारी दिया जिसे दिव्यांगो के द्वारा लाभ लेकर आत्मनिर्भर बन सकतें है कार्यक्रम के दौरान दो दिव्यांग जोडो को विवाह प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया।

उक्त अवसर पर उपसंचालक योजना की जानकारी देते हुए कहा कि एक अप्रैल 2016 से योजना में कुछ बदलाव हुआ है। योजना के अंतर्गत विवाहित दम्पति में से यदि कोई एक दिव्यांग है, तो उन्हे 50 हजार रूपये और दोनो दिव्यांग है तो उन्हे एक लाख रूपये की राशि दिया जाता है।

जिसके पश्चात कार्यक्रम का समापन जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मार्कण्डेय एवं समाज कल्याण विभाग उपसंचालक आशा शुक्ला के द्वारा किया गया कार्यक्रम समापन तक सात दिव्यांगो ने विवाह के लिए अपना सहमति दिया जिसमें एक गैर दिव्यांग लड़के नें दिव्यांग लड़की से विवाह के लिए सहमति दिया वहीं एक दिव्यांग जोड़ो एवं परिवारजनों ने जातिय बंधन को तोड़कर अंतरजातीय विवाह करने में सहमति देकर समाज को नई दिशा दिया। जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मार्कण्डेय ने इन जोड़ो का पुष्पाहार से स्वागत करते हुए शुभकामानॉऐं दी।

संस्था के प्रयास से भविष्य में पॉच से छः जोड़ा तैयार हाने कि संभावना है यह जानकारी सभी को दी गई।

इस कार्यक्रम में गृहिणी संस्था के कार्यकर्ता और बलौदाबाजार जिला के जिलास्तर जनमानव विकलांग कल्याण संघ एवं चारो ब्लाक से ब्लाक स्तरीय दिव्यांग संघों–जनजागृति दिव्यांग संघ बलौदाबाजार, दिव्यांग उत्थान संघ पलारी, जनमानव विकलांग कल्याण संघ सिमगा, तथा जनशक्ति दिव्यांग संघ भाटापारा का विशेष सहयोग रहा।

फोटोः– विश्व दिव्यांग दिवस (दिव्यांग युवक–युवती परिचय सम्मेलन 2018)

कार्यक्रम का नाम– 7वां दृष्टिबाधित /मुकबधिर पैरालिम्पिक जूड़ो प्रतियोगिता

प्रतिभागी संख्या– 5 महिला, 2 पुरूष कुल 7

कार्यक्रम स्थान– गोरखपुर उत्तरप्रदेश

कार्यक्रम विवरण– दिनांक 18'01.2019 से 22.01.2019 बलौदाबाजार जिला के दिव्यांग ने अपने इरादों में जीत का सिलसिला रखने वाली दृष्टीबाधित दिव्यांगो ने अपने हुनर का प्रदर्शन करते हुए 18'01.2019 से 22.01.2019 तक गोरखपुर उत्तरप्रदेश में आयोजित 7 वां राष्ट्रीय भाग लिया गया इस कार्यक्रम का प्रारंभ श्रीमान अमित क कमींशनर के द्वारा दीप प्रज्जवलन कर पैरालिम्पिक जूडो प्रतियोगिता का प्रांरभ किया इस जुडो प्रतियोगिता में देश के 700 खिलाडी और 15 राज्यों ने भाग लिया हमारे राज्य छत्तीसगढ से 43 खिलाडी जिसमें संस्था के सहयोग से 5 महिला, 2 पुरूष कुल 7 में अपनें उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जो कि निम्न है–

उर्मिला ने 40 कि.ग्रा. जुनियर वर्ग, कु. मंजुला कोशले 48 कि.ग्रा. सीनियर वर्ग, जागेश्वरी वर्मा सीनियर वर्ग 45 कि.ग्रा., मालती नें 50 कि.ग्रा. सीनियर वर्ग, शकुंतला नें 66 कि.ग्रा. सीनियर वर्ग, नेहरू वर्मा 60कि.ग्रा. सीनियर वर्ग, कोमल वर्मा 81कि.ग्रा. सीनियर वर्ग

, इस कार्यक्रम में शकुंतला नें 66 कि.ग्रा. सीनियर वर्ग रजत पदक हासिल किया।
छत्तीसगढ टीम ने 7 रजत पदक, 6 कास्य पदक कुल 13 जीत कर राज्य को गौरवाविन्त किया कार्यक्रम का समापन दृष्टिबाधित /मुकबधिर पैरालिम्पिक जूड़ो 2019 को पुरस्कार वितरण कर राष्ट्रगीत गाकर समापन किया।

7वां दृष्टिबाधित /मुकबधिर पैरालिम्पिक जूड़ो प्रतियोगिता

कार्यक्रम का नाम– एन.आर.एल.एम विभाग के द्वारा सरस मेंला
प्रतिभागी संख्या– महिला 2 पुरूष 5 कुल 7
कार्यक्रम संख्या– 02
कार्यक्रम स्थान– भिलाई, जिला दुर्ग, रायपुर (छ0ग0)
कार्यक्रम विवरण–दिनांक 13.01.2019 से 24.01.2019 तक भिलाई, जिला दुर्ग एवं दिनांक 27.01.2019 से 05.02.2019 तक रायपुर (छ0ग0) में क्षेत्रीय सरस मेला 2018–19 का आयोजन किया गया है जिसमें गृहिणी संस्था से दो समूह 1. एकता दिव्यांग समूह ग्राम रसौटा ब्लाक पलारी , 2. उज्जवल गृहिणी स्व सहायता समूह ग्राम भरसेला नया ब्लाक बलौदाबाजार का चयन कर दिव्यांग समूह द्वारा उक्त क्षेत्रीय सरस मेला में गुणवत्तापूर्ण उत्पादों डिटर्जेन्ट पावडर 110 किलोग्राम, फिनाइल 250 लीटर ,अगरबत्ती 5 किलाग्राम ,पर्स, पैरदान, बैग का कुल 200 नग, डिजाइनर चुडी 200 नग के अलावा समूह द्वारा आचार, बड़ी, चॉवल पापड़, आलू चिप्स , धनियॉ , मिर्च , हल्दी , एवं मसाला पावडर इत्यादि सामग्री विक्रय किया गया इस मेला के द्वारा 10370 रूपये का विक्रय हुआ जिसमें लागत मूल्य लगभग 6740 रूपया रहा। आय में से 30 प्रतिशत राशि विक्रेता दिव्यांग साथी को 1089 रूपया कमींशन दिया गया और उत्पादन कर रहे समूहों को 2541 रूपया का शुद्व लाभ मिला।

एन.आर.एल.एम विभाग के द्वारा सरस मेंला, रायपूर एवं भिलाई (छ.ग)

कार्यक्रम का नाम– बाधामुक्त वातावरण का निरीक्षण
प्रतिभागी संख्या– पुरूष 3 महिला 6 कुल 9
कार्यक्रम स्थान– जिला बलौदाबाजार
कार्यक्रम विवरण–दिव्यांग संघ बलौदाबाजार और गृहिणी संस्था शासकीय विभाग द्वारा एक्सेस ऑडिट कार्यशाला में भाग लिया जिसमें शारिरिक रूप से कमजोर दिव्यांगो के लिए बाधामुक्त वातावरण बनना है। जिला बलौदाबाजार कलेक्टर ने यह पहल की और जिला बलौदाबाजार में एक्सेस आडिट कमेटी बनाई जिसमें 5 सदस्य शामिल थे। और उन्होने एक्सेस आडिट में एक दिव्यांग सदस्य को नियुक्त किया गया। पहले चरण में समिति इसका उपयोग कर लेखापरीक्षा रिपोर्ट एवं सरकारी भवन जो की कमजोर वर्ग आवश्यक सुविधा प्रदान करेगा। इस आधार पर जिला कलेक्टर भवन,जिला पंचायत,जिला अस्पताल,नगर पालिका भवन का लेखा परीक्षा तैयार करेंगे।

कार्यक्रम का नाम– दिव्यांग संघ में लैंगिक समानता

प्रतिभागी संख्या– कुल 25

कार्यक्रम स्थान– आई व्ही.वाई.रायपुर

कार्यक्रम विवरण– दिनॉक 12 से 13 फरवरी 2019 को दिव्यांग संघ और साइटसेवर्स तथा ई.यु द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यशाला का मुख्य उद्धेश्य लिंग के संबंध में जागरूकता, शिक्षा, कौशल और व्यवहार बढ़ाने के संबंध में दिव्यांग संघ को सक्षम करना था। और महिला हिंसा के खिलाफ काम करने के लिए समिति बनाने के लिए सक्रिय दिव्यांग महिला को प्रेरित करना था। कार्यशाला में कुल 25 प्रतिभागी उपस्थित थें यह कार्यक्रम आई.वी आई रायपुर छत्तीसगढ में हुआ । इस कार्यशाला में बलौदाबाजार एवं रायपुर के दिव्यांग संघ सदस्य ने भाग लिया जिसमें प्रशिक्षक सुश्री अंजली अग्रवाल, श्री डी. चक्रवती ने प्रशिक्षण दिया।

प्रथम दिवस– सुश्री अंजली ओर समर्थम के श्री डी चक्रवर्ती के स्वागत एवं प्रतिभागीयों के परिचय के साथ हुई जिसके बाद सतत विकास लक्ष्यों पर चर्चा हुई **लक्ष्यः 5 लिंग समानता** अंजली अग्रवाल ने सरल शब्दों में कहॉ की "लिंग" समाजिक रूप से महिला और पुरूषों की परिभाषा है। यह लैंगिक रूप से (महिला एवं पुरूष) की जैविक विशेषता के समान नही है और यह समाजिक, और निजी जीवन में महिलाओं और पुरूषों के लिए जिम्मेदारी, कार्यो, कार्यो और भुमिका की अवधारण से निर्धारित करता होता है। वह यह भी उल्लेख करता है की विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया भर में 1 करोड सें अधिक लोंग (दुनिया की आबादी का 15 प्रतिशत) की विकलांग है आधे से अधिक महिलाओ को नियमित और समाज के भीतर चल रहे भेदभव को अनुभव होता है। इस तरह के भेदभाव सार्वजनिक टिप्पणियों और संस्थागत हिंसा के अपमान से भिन्न होते है इस कारण महिला शिक्षा, नौकरी, और समाजिक सहायता के अन्य रूपों तक पहुॅचने में असमर्थ होती है। बहुत से परिवार वालो ने विकलांग बेटीयों को दुर छिपा दिया और जिसने उन्हे स्वीकार कर विवाह किया उन महिलाओं को उपेक्षा, तथा अत्याचार के मामले दर्ज किए गये है। भारत में विकलांग महिलाओं के अधिकारों पर ध्यान केन्द्रित कर महिला दिव्यांग सदस्य को समाजिक संगठनो में उनकी भुमिका को परिभाषित करने के लिए कहें। अगले सत्र प्रशिक्षक ने लैंगक समस्या, लैंगिक प्रशिक्षण, लैंगिक न्यायसंगत, लैंगिक विश्लेष्ण, लैंगिक क्षमता, लैंगिक योजना खर्च पर चर्चा की गई । उसे के बाद दिव्याग संघ से पूछा गया की क्या उनके अपनियमों में कोई लैंगिक नीति बनाई गई है जो महिलाओं पर ध्यान केंद्रित कर रही है और फिर वह डीपीओ के प्रमुख सदस्यों को सुक्षाव देती है की वे जल्द से जल्द लैंगिक नीति की समीक्षा करें व सुक्षाव दे की दिव्यांग संघ अपने विकलांग कर वार्षिक कार्यक्रम योजना बनाए। पुरे वर्ष की योजना वर्णन करे।

द्वितीय दिवस– जनमानव विकलांग कल्याण संघ बलौदाबाजार के मौजूदा बायलॉज की समीक्षा के साथ सत्र की प्रारंभ की गई बौर प्रशिक्षिका के द्वारा कुछ दिए गए इसके बाद सुविधाकत्र की मदद् से बलौदाबाजार और रायपुर के दिव्यांग संघ सदस्यों को लिंग मुल्यांकन फार्म भरने को दिया गया जिसमें उसे जिलास्तर पर विकलांग संगठन से संबंधित सवाल का जवाब देना था जैसे पॉलिसी फ्रेमवर्क में लिंग, लिंग ज्ञान और कौशल ,लिंग जागरूक संगठन, प्रोग्रामिंग में लिंग अधिकार और न्याय, लिंग समानता को प्राप्त करना और सभी महिलाओं और लडकियों को सशक्त बनाना इसके बाद बलौदाबाजार और रायपुर के दिव्यांग संघ द्वारा लिंग मुल्यांकन पर प्रश्नावली सर्वेक्षण भरा गया इसके बाद धन्याद देकर कार्यक्रम को समापन किया गया।

फोटोः– दिव्यांग संघ में लैंगिक समानता

कार्यक्रम का नाम– हाफ मैराथन ,रायपुर

प्रतिभागी संख्या– 13 महिला 31 पुरूष कुल 44

कार्यक्रम स्थान– नया रायपुर

कार्यक्रम विवरण– 24 फरवरी 2019 को रायपुर में आयोजित हाफ मैराथन में बलौदाबाजार जिले से 44 दिव्यांगजनों की भागीदारी किया गया जिसमें 02 महिला, 02 पुरूष कुल 04 दृष्टिबाधित, 11 महिला, 29 पुरूष, कुल 40 अस्थिबाधित इन दिव्यांग साथियों का आनलाइन पंजीयन कराया गया था जिसमें कु.उर्मिला यादव, दृष्टिबाधित महिला वर्ग 1 कि.मी. दौड़ में

तृतीय स्थान मिला जिसे 10000 हजार रूपये राशि प्राप्त हुआ। कु.गायत्री यदु अस्थिबाधित, महिला वर्ग 2 कि.मी. ट्रायसायकल दौड़ में द्वितीय स्थान मिला जिसे 15000 हजार रूपये राशि प्राप्त हुआ। दिव्यांगो के खेल में भागीदारी बढ़ाने के लिए गृहिणी संस्था के कार्यकर्ता तोमेश वर्मा, पुष्पेन्द्र कुमार, उषा साहु, थानेश्वर वर्मा एवं जनमानव विकलांग कल्याण संघ बलौदाबाजार की भूमिका रही। समाज कल्याण विभाग उप संचालक के माध्यम से आने–जाने, भोजन एवं रूकने की व्यवस्था की गई थी। इसके अलावा ब्लाक कसड़ोल दिव्यांग कु.आंगन पटेल महिला वर्ग 2 कि.मी. ट्रायसायकल दौड़ में चतुर्थ स्थान मिला जिसे 7000 हजार रूपये राशि प्राप्त हुआ। एवं बिलाईगढ़ गैर दिव्यांग गेंदराम पैकरा ने 21 कि.मी. दौड़ में प्रथम स्थान मिला जिसे 100000 लाख रूपये की राशि प्राप्त हुआ।

फोटोः– हाफ मैराथन ,रायपुर

कार्यक्रम का नाम– सामुहिक विवाह सम्मेलन

प्रतिभागी संख्या– 23 जोड़ा कुल संस्था के प्रयास से 2 दियांग जोड़ा

कार्यक्रम स्थान– बलौदाबाजार

कार्यक्रम विवरण– दिनॉक 27 फरवरी 2019 को महिला एवं बालविकास विभाग बलौदाबाजार द्वारा सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया जिसमें 23 जोड़ो ने भाग लिया। इससे पहले गृहिणी संस्था ने 26 दिसम्बर 2018 के द्वारा आयोजित कार्यक्रम दिव्यांग युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया था जिसमें 14 जोड़ो ने अपना जीवन साथी का चयन किया और विवाह हेतु अपना फैसला किया। उक्त कार्यक्रम में दो विकलांग जोड़ो जागृति औरं टेकराम एवं रामकुमारी और गोपी ने इस सामूहिक विवाह समारोह में अतिथि एवं परिवार की उपस्थिति में विवाह के बंधन में बंध गया। नवविवाहित जोड़ो को उपहार के रूप में कई घरेलु समान दिय गए। महिला एवं बाल विकास विभाग ने यह आयोजन हर साल गरीब तपके के लोगो के लिए करता है जो वर–वधु के परिवार आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण विवाह के कर्ज से और कमजोर न हो जाये या फिर पैसे की कमी से विवाह नही हो रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रबंधक मुन्नी बाई ने इस अवसर पर उपस्थित होकर वर–वधुओं को अपना आशीर्वाद दिया और उन्हे आगे के सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की कार्यक्रम में महिला बाल विकास विभाग के पर्यवेक्षक और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भी उपस्थित थें।

दिव्यांग टेकराम ने कहॉ कि सामूहिक विवाह तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, खासकर भारतीय समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो के बीच क्योकि वे दंपति और उनके परिवार पर वित्तीय बोझ को कम करते है।

फोटोः– सामुहिक विवाह सम्मेलन

कार्यक्रम का नाम– स्वकालत हेतु रणनीति पर राज्य स्तरीय कार्यशाला
प्रतिभागी संख्या– 22 दिव्यांग संघ सदस्य
कार्यक्रम स्थान– हॉटल सिमरन हेरिटेज रायपुर
कार्यक्रम विवरण–दिनॉक 27 फरवरी 2019 को हॉटल सिमरन हेरिटेज रायपुर में गृहिणी संस्था के सहसहयोग एवं समर्थ के द्वारा एक दिवसीय राज्य स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में बलौदाबाजार एवं रायपुर के 22 दिव्यांग सदस्य उपस्थित थे। इस बैठक का उद्वेश्य सितम्बर माह 2018 के महीने में संघ द्वारा स्व वकालत मुददे् के लिए कार्यान्वयन रणनीति बनाना चाहते थें। इस कार्यक्रम परियोजना अधिकारी गौरव जैन द्वारा सुविधा बनाया गया था। सत्र की शुरूआत बलौदाबाजार और रायपुर के दिव्यांग नेता के रूप में हुआ उसके बाद संघ सदस्यों को समूह प्रस्तुति के लिए 3 समूह में बनाने के लिए कहॉ गया जो उन्हे अपने दिव्यांग संघ के उद्वेश्य और वे आगामी भविष्य क्या करना चाहते है। अगले सत्र में परियोजना अधिकारी श्री गौरव जैन ने साइटसेवर्स सामाजिक सामावेशी परियोजना का संक्षिप्त परिचय दिया और इसके उद्वेश्य पर चर्चा की फिर बलौदाबाजार और रायपुर के दिव्यांग द्वारा मान्यता प्राप्त स्व वकालत के मुददे् पर ध्यान केंद्रित करने के बाद उन्होने प्राथमिक के मुददे् पर दिव्यांगो से पूछा और जनमानव विकलांग कल्याण संघ बलौदाबाजार के सदस्यों ने एक–एक करके महत्वपूर्ण मुददो की बात कहीं 1. बाधामुक्त वातावरण , 2. राशन एवं दिव्यांग पेंशन, 3. शिक्षा दिव्यांग सदस्य इसे उचित ठहराते है कि इन मुददो को प्राथमिकता क्यों देते है और भविष्य में सभी दिव्यांगो को कैसे लाभ होगा। अगर हमारे आसपास के वातावरण को बाधामुक्त बना दिया गया तों शारिरिक रूप से कमजोर व्यक्ति घर से बाहर आ सकते है। और अपने अधिकार के लिए दावा कर सकते है कि वे पहले इस बात को प्राथमिकता क्यों देते है ।
अगले सत्र में डॉ मनजीत कौर बल, हेड समर्थ न बलौदाबाजार और रायपुर के दिव्यांगो से पूछा की वे स्ववकालत शब्द के बारे में क्या समझतें है दिव्यांग संघ सदस्यों ने कहॉ की लोगो के अधिकारों के लिए वकालत वह सरल शब्दों में समझाती है कि वकालत एक व्यक्ति या समूह द्वारा की जाने वाली गतिविधि है जिसका उद्वेश्य राजनीतिक,आर्थिक,और सामाजिक प्रणालीयों और संस्थानो के भीतर निर्णयों को प्रभावित करना है। उन्होने कहॉ की दिव्यांग संघ हमेंशा निर्णयों को प्रभावित करने पर ध्यान केन्द्रित करते है जो लंबे समय बाद मदद् करेगा जिससे दिव्यांग लाभान्वित हो सकता है।तब उसके बाद वकालत के मुददो का अलग उदाहरण दिया और प्रमुख मुददो की पहचान के लिए दिव्यांग संघ के कहॉ इसका संक्षेप में वर्णन करें और किसके साथ वकालत आसानी से प्रभावी ढंग से की जा सकती है जो की बड़ा प्रभाव पैदा करती है। वह यह भी उल्लेख करती है कि कुछ अधिकारी शारिरिक रू‍प से कमजोर दिव्यांग के मुददो को आसानी से समझति है, और कुछ को इस बात में कोई दिलचस्पी नही होती है कि संध को उनके संभावित के अनुसार चीजे पेश करनी चाहिए। वह संघ के हर छोटे बडे कार्यक्रम में सभी अधिकारियों को आमंत्रित करने का सुझाव भी देती है।
अंतिम सत्र– गौरव जैन ने संघ को 3 समूह में बाट कर उन्हे दिव्यांग प्रमाण पत्र, रोजगार, बाधामुक्त वातावरण जैसे मुददे् की समस्या का पेड़ बनाने का काम दिया। जिसमें उन्होने उस समूह की प्रस्तुति के बाद इसके कारण और प्रभाव पर केंद्रित किया। आगामी महिने में समस्याओं के लिए पेड़ बनाये है उस आधार पर स्पष्ट तस्वीर देने में मदद मिलेगी। उसके पश्चात कार्यक्रम का समापन किया गया।

फोटोः–स्वकालत हेतु रणनीति पर राज्य स्तरीय कार्यशाला,

कार्यक्रम का नाम– आजिविका से जुड़े समूह का शैक्षणिक भ्रमण
प्रतिभागी संख्या– 7 महिला 24 पुरूष कुल 31
कार्यक्रम स्थान– ग्राम कोनारी विकासखंण्ड पलारी
कार्यक्रम विवरण– गृहिणी स्वयं सेवी संस्था एवं साइटसेवर्स के संयुक्त प्रयास से छ.ग. सामाजिक समावेशी परियोजना अंर्तगत बलौदाबाजार जिला में आजिविका से जुड़े जिज्ञासा दिव्यांग स्व सहायता समूह ग्राम कोनारी विकासखंण्ड पलारी में एकदिवसीय शैक्षणिक भ्रमण 06 मार्च 2019 को आयोजित किया गया जिला बलौदाबाजार में गृहिणी संस्था के प्रयास से विगत वर्षो में 211 दिव्यांग समूहों का गठन किया गया है जिसे संस्था द्वारा लगातार आय अर्जक गतिविधि से जोड़ने और दिव्यांगो के सतत् विकास हेतु आजिविका प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस वर्ष चार विकासखंण्ड से मुर्गी पालन हेतु इच्छुक 31 सक्रिय सदस्यों को 10 दिव्यांग समूहो से जो निम्न है– विकासखंण्ड बलौदाबाजार प्रेरणा दिव्यांग समूह खपरी, दिव्यांग जनकल्याण दिव्यांग समूह डमरू, विकासखंण्ड सिमगा दुर्गा दिव्यांग समूह बुडगहन, प्रगति दिव्यांग समूह बुडगहन, हरियाली दिव्यांग समूह बिटकुली, जय अम्बे मॉ दिव्यांग समूह बिटकुली, विकासखंण्ड पलारी एकता दिव्यांग समूह रसौटा, जीवनधारा दिव्यांग समूह साराडीह, ममता दिव्यांग समूह गातापार, मॉ रणबौर दिव्यांग समूह गातापार को चयनित कर शैक्षणिक भ्रमण के माध्यम से दिव्यांग समूह द्वारा मुर्गी पालन के संबंध में घर के पिछवाड़े में सामूहिक रूप में उन्नत किस्म के मुर्गी का पालन कर मॉस व अण्डा उत्पादन करना तथा मुर्गी व बच्चे का रखरखाव कर उनके आहार की जानकारी दी गई। दिव्यांग समूह के सचिव कुशाराम ध्रुव ने बताया कि पशु विभाग बलौदाबाजार के द्वारा 6 माह पूर्व 45 चुजा एवं मुर्गी फॉर्म से 45 कुल 90 चुजा खरीदकर छोटे स्तर पर व्यवसाय प्रारंभ किया जिसमें 70 मुर्गी–मुर्गा जीवित बच पाया वर्तमान में चिल्हर में विक्रय कर समूह ने लगभग 40 मुर्गा–मुर्गी विक्रय कर 35000 हजार रूपये समूह ने कमाया तथा इस वर्ष व्यवसाय को समूह बडे स्तर पर करने जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्वेश्य है कि जिला के दिव्यांग समूहों का आजिविका संवर्धन में बढ़ोतरी कर दिव्यांगो के आर्थिक स्थिति में सुधार करना जिससे वह गैर दिव्यांगो के समान समाज में अपना भागीदारी कर सकें।

फोटोः– आजिविका से जुड़े समूह का शैक्षणिक भ्रमण

कार्यक्रम का नाम– नये दिव्यांग समूहों को एन.आर.एल.एम. (बिहान) से आजिविका संबंधी प्रशिक्षण कार्यशाला
प्रतिभागी संख्या– 13 महिला 15 पुरूष कुल 28

कार्यक्रम स्थान– योग भवन नया बलौदाबाजार

कार्यक्रम विवरण– दिनॉक 26.03.2019 बलौदाबाजार जिले में गृहिणी स्वयं सेवी संस्था एवं साईटसेवर्स के संयुक्त प्रयास से संचालित छत्तीसगढ़ सामाजिक समावेशी परियोजना के अंतर्गत दिव्यांग साथियों का स्वयं सहायता समूह का गठन किया जा रहा है जिन्हे आर्थिक सामाजिक रूप से सशक्त बनाने योग भवन नया बस स्टैण्ड में बलौदाबाजार एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यक्रम में एन.आर.एल.एम. (बिहान) प्रतिभागियों और एन.आर.एल.एम. मास्टर ट्रेनर श्री विकाश कुमार पटेल, जानकी पटेल से हुई।

उसके बाद, विकाश कुमार, मास्टर ट्रेनर ने सभी प्रतिभागियों के लिए SHG शब्द का वर्णन किया और कहा कि एक स्वयं सहायता समूह लोगों का एक स्वैच्छिक संघ है जो समूह के सामूहिक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लोकतांत्रिक और जवाबदेह रूप से कार्य करता है। और कहा कि एन.आर.एल.एम. का मिशन ''गरीब परिवारों को सक्षम स्वरोजगार और कुशल मजदूरी रोजगार के अवसरों तक पहुंच बनाने के लिए गरीबी को कम करना है, जिसके परिणामस्वरूप गरीबों के मजबूत जमीनी स्तर के संस्थानों के निर्माण के माध्यम से स्थायी रूप से उनकी आय में सराहनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि विकलांग लोगों समूहों का गठन न्यूनतम 5 सदस्यों के साथ किया जा सकता है। एक–एक करके दोनों ट्रेनर विकलांग SHG सदस्यों के साथ समूह की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों का वर्णन करते हैं और कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डालते हैं, जो हर एसएचजी सदस्यों को पता होना चाहिए और कहा कि यह साप्ताहिक संचालन का सबसे अच्छा तरीका है और सभी सदस्यों के लिए यह आवश्यक है कि समूह बैठक में उन्हें बैठक आयोजित करते समय बैठना चाहिए, बैठक का एजेंडा तैयार किया जाना चाहिए और बैठक उसी के अनुसार बुलाई जानी चाहिए। बैठक में न्यूनतम 90 प्रतिशत सदस्यों की बैठक में भाग उपस्थित होना चाहिए और निर्णय रिजॉल्यूशन बुक में लिखे जाने चाहिए, सभी सदस्यों को पढ़ना एवं मौखिक रूप से बताया जाना चाहिए और उसके बाद ही उनके हस्ताक्षर करना होगा। फिर वह सभी प्रतिभागियों में विकलांगता एसएचजी के साथ व्यक्ति के महत्व का वर्णन करता है और अपने एसएचजी के सुचारू कामकाज के लिए एसएचजी सदस्यों और प्रमुख पदाधिकारियों की भूमिकाओं और जिम्मेदारी पर ध्यान केंद्रित करता है।

मास्टर ट्रेनर ने तब कहा था कि पीडब्ल्यूडी द्वारा स्व–सहायता समूह से जुड़कर दो प्रकार के लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं। वे वित्तीय लाभ और गैर–वित्तीय लाभ हैं

ए) गैर–वित्तीय लाभ

- लोगों में एकता मजबूत होगी
- आत्मविश्वास बढ़ता है
- सभी गतिविधियों में पारदर्शिता
- समान अधिकार और समान अवसर दिए जाएं
- आत्म–विकास की ओर जाता है
- विभिन्न प्रकार की जानकारी प्राप्त कर सकते है
- सामाजिक सुरक्षा और मान्यता प्राप्त
- सामाजिक विकास में भाग ले सकते हैं

ख) वित्तीय लाभ

- बचत की आदत शुरू होती है। लोग अधिकतम बचा सकते हैं जो वे कर सकते हैं
- आपातकालीन वित्तीय जरूरतों को पूरा करना
- स्थानीय धन उधारदाताओं की उच्च ब्याज दरों के साथ फंसने से बचें
- यह मौजूदा व्यवसाय को बेहतर बनाने में मददगार है और नए व्यवसाय उपक्रमों के माध्यम से विकसित हो सकता है।

उसके बाद मास्टर ट्रेनर ने SHG के लिए NRLM के 11 सूत्र का वर्णन किया। और कहा कि SHG को वित्तीय सहायता NRLM के तहत 3/6 महीने की अवधि के लिए SHG को रिवाल्विंग फंड (RF) सहायता के रूप में प्रदान की जाएगी और अच्छे SHG के मानदंडों का पालन करें, अर्थात वे '11 सूत्र 'का पालन करते हैं। केवल ऐसे एसएचजी जिन्हें पहले कोई आरएफ नहीं मिला है, उन्हें आरएफ के रूप में, कॉर्पस के रूप में न्यूनतम जव 10,000 और अधिकतम 15,000 प्रति एसएचजी तक प्रदान किया जाएगा। RF का उद्देश्य उनकी संस्थागत और वित्तीय प्रबंधन क्षमता को मजबूत करना और समूह के भीतर एक अच्छा क्रेडिट इतिहास का निर्माण करना है। और एसएचजी को सामुदायिक निवेश सहायता कोष (सीआईएफ) सीआईएफ प्रदान किया जाएगा। सीआईएफ का उपयोग फेडरेशन्स द्वारा, एसएचजी को ऋण अग्रिम करने और या आम सामूहिक सामाजिक–आर्थिक गतिविधियों को करने के लिए किया जाएगा।

श्रीमती जानकी पटेल मास्टर ट्रेनर एसएचजी के लिए ऋण प्राप्त करने के लिए पात्रता मानदंड का वर्णन करती हैं और कहा कि एसएचजी के खाते की पुस्तकों के अनुसार एसएचजी कम से कम पिछले 6 महीने से सक्रिय अस्तित्व में होना चाहिए और के उद्घाटन की तारीख से नहीं। खाता, एसएचजी को नाबार्ड द्वारा तय ग्रेडिंग मानदंडों के अनुसार योग्य 11 सूत्र का अभ्यास करना चाहिए। जब और स्वयं सहायता समूहों के संघ अस्तित्व में आते हैं, तो संघों द्वारा बैंकों का समर्थन करने के लिए ग्रेडिंग अभ्यास किया जा सकता है।

उसके बाद मास्टर ट्रेनर द्वारा आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र जिसमें प्रतिभागी अपने मौजूदा SHG के संबंध में अलग–अलग प्रश्न

पूछते हैं, वे यह भी पूछते हैं कि विकलांग व्यक्ति के लिए अलग–अलग आजीविका विकल्प क्या उपलब्ध हैं जिनमें कम निवेश की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम में जिले के 15 समूहों के सक्रिय सदस्यों की भागीदारी रही

फोटोः– नये दिव्यांग समूहों को एन.आर.एल.एम. (बिहान) से आजिविका संबंधी प्रशिक्षण कार्यशाला

कार्यक्रम का नाम– दिव्यांग मतदान जागरूकता कार्यक्रम
प्रतिभागी संख्या– 117 महिला 241 पुरूष कुल 358
कार्यक्रम संख्या–04
कार्यक्रम स्थान– बलौदाबाजार, नगर भवन पलारी, बिहान भवन सुहेला, जनपद कार्यालय भाटापारा
कार्यक्रम विवरण–गृहिणी संस्था जनमानव विकलांग कल्याण संघ, समाज कल्याण विभाग और जिला निर्वाचन आयोग बलौदाबाजार के सहयोग से बलौदाबाजार जिले में समावेशी चुनाव अभियान के आयोजन के साथ गृहिणी ने समावेशी चुनाव अभियान का आयोजन किया। वे इस अभियान का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगो को अपने अधिकारों के लिए मतदान करने के लिए प्रेरित और संवेदनशील बनाना चाहते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि विकलांगता से पीड़ित व्यक्ति बिना किसी परेशानी के मतदान कर सकता है। इस अभियान के दौरान कुल 04 कार्यक्रम में दिव्यांग (महिला 117 पुरूष 241) जागरूक हुआ (सभी चार ब्लॉक सहित)। इस अभियान में जिला मजिस्ट्रेट, अपर कलेक्टर, जिला सीईओ, निदेशक समाज कल्याण विभाग, जिला निर्वाचन आयोग के अधिकारी, ब्लॉक सीईओ भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम प्रतिभागियों और सरकारी अधिकारियों के स्वागत के साथ शुरू कि गई, मास्टर ट्रेनर जिसके बाद दिव्यांगो के लिए सुलभ चुनाव की वीडियो क्लिप दिखाई जाती होती है। जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि इस बार पोलिंग बूथ को सुलभ बनाया जाएगा और हर मतदान केंद्र पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी जैसे कि व्हीलचेयर, व्हीलचेयर रैंप, बहरे लोगों में साइन लैंग्वेज दुभाषिए होंगे और नेत्रहीन लोगों को चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से मार्गदर्शन करना होगा। ताकि दिव्यांग अपने अधिकारों के लिए मतदान कर सके। डीएम ने 23.4.2019 को लोकसभा चुनाव में सभी पीडब्ल्यूडी को वोट देने के लिए प्रेरित किया और दिव्यांगों को बताया कि अन्य दिव्यांग को अपने घर से बाहर आने और मतदान करने के लिए प्रेरित करें। उसके बाद जिला मजिस्ट्रेट ने सभी प्रतिभागियों के लिए शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया।

उसके बाद डीपीओ सदस्यों द्वारा सरकारी अधिकारी को यह बताने के लिए कि उनके गांव में लोगों ने उनके साथ किस तरह से बातचीत की, उन्हें मतदान के दौरान और मतदान बूथ पर विकलांग व्यक्ति को किस समस्या का सामना करना पड़ा, यह जानने के लिए डीपीओ सदस्यों द्वारा छोटी भूमिका निभाई गई।
श्रीमती आशा शुक्ला, निदेशक, समाज कल्याण विभाग ने भी कहा कि भारत के चुनाव आयोग ने कहा कि ''दिव्यांग पर विशेष ध्यान देने के साथ कोई मतदाता मत छोड़ो'' और दिव्यांग को शामिल करने के विषय को भारत के चुनाव आयोग

की योजना में विशेष ध्यान दिया गया है। 2016–2025 अंत में उन्होंने कहा कि हमारा वोट हमारी शक्ति है हम यह सुनिश्चित करें कि हम इसका उपयोग करें, और हम सभी को हर साल चुनाव में मतदान करना होगा। उन्होंने कहा कि अगर कोई भी दिव्यांग किसी भी मतदान केंद्र तक पहुंचता है, तो उन्हें कतार में रहने की आवश्यकता नहीं होती है, उन्हें चुनाव अधिकारी द्वारा विशेष वरीयता दी जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव आयोग सक्रिय है और वे आगामी चुनाव के लिए सभी तरह के विकलांग लोगों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए किसी को नहीं छोड़ रहे हैं।
फिर चुनाव आयोग के मास्टर ट्रेनर ने चुनाव प्रक्रिया का वर्णन किया और लोगों को मतदान केंद्र के समय के बारे में बताया, उन्हें मतदान केंद्र में पीडब्ल्यूडी को जो अलग–अलग सुविधा उपलब्ध कराई गई थी, उसे ले जाने और उनका वर्णन करने के लिए दस्तावेजों की आवश्यकता होती है, फिर वे वीवीपीएटी मशीन का उपयोग करते हैं जो वे प्रदर्शित करते हैं अंधे व्यक्ति को वीवीपीएटी मशीन में ब्रेल का उपयोग करें और व्हीलचेयर का उपयोग करने वाले पीडब्ल्यूडी के लिए डेमो सत्र भी आयोजित करें।
अभियान के अंत में डीपीओ को समाज कल्याण विभाग द्वारा अपने ब्लॉक के पोलिंग बूथ का विवरण प्रस्तुत करने के लिए कहा गया, जो कि सुलभ नहीं है ताकि चुनाव से पहले उन्हें सुलभ बनाया जा सके। अंत में धन्यवाद दिया देकर कार्यक्रम समापन किया गया।

फोटोः– दिव्यांग मतदान जागरूकता कार्यक्रम

कार्यक्रम का नाम– अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम
प्रतिभागी संख्या– 150 महिला
कार्यक्रम स्थान– अल्ट्रा–टेक सीएसआर ग्रामीण विकास केन्द्र हिरमी
कार्यक्रम विवरण– अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अल्ट्रा–टेक सीएसआर ग्रामीण विकास केन्द्र के सहयोग हॉल में 8.3.2019 को ग्रामीण महिलाओं के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का थीम बैलेंस फॉर बेटर था। इसमें कुल 150 महिलाएँ उपस्थित थीं। कार्यक्रम की शुरुआत श्री चेतन श्रीवास्तव, यूनिट हेड, विनोद नोबियार एच.आर. और कल्पतरु महिला मंडल सदस्यों के स्वागत के साथ हुई, जिसके बाद दीप प्रज्वलित किया गया।

श्रीमती तारनी राजपूत ने महिला दिवस क्यों मनाया जाता है, इस पर एक संक्षिप्त विवरण दिया। जिसे मोटिवेशनल वीडियो क्लिप के बाद किया गया।
उसके बाद, यूनिट प्रमुख श्री चेतन श्रीवास्तव ने कहा कि महिलाएँ अब हर क्षेत्र में अच्छा कर रही हैं, यह भी उल्लेख करती हैं कि ग्रामीण महिलाएँ अपने स्वयं के सहायता समूह में आजीविका गतिविधि कर रही हैं और वे आचार, डिटर्जेंट पाउडर, फिनाइल बनाने में लगी हुई हैं। और अच्छी कमाई भी कर रही है। श्रीमती रूपा श्रीवास्तव, गृहिणी संस्था अध्यक्ष ने कहा कि पिछले कई रिकॉर्ड यह साबित कर सकते हैं कि देश के पुरूषो को छोड़ कर कई क्षेत्र में महिलाएं बहुत अच्छा कर रही हैं। महिला दिवस मनाने के पीछे एजेंडा उन महिलाओं को सशक्त बनाना है जो जीवन भर कई बाधाओं से गुजरी हैं। वह कहती हैं कि यह दिन हमें समाज में महिलाओं की उपलब्धि की याद दिलाता है। उसके बाद गायत्री यदु (अस्थिबाधित), उर्मिला यादव (दृष्टिबाधित) को अपनी अनुभव को सभी के साथ साझा करने के लिए कहा गया।
श्रीमती सरोज श्रीवास्तव, अध्यक्ष कल्पतरु महिला मंडल ने कहा कि यह देखा गया है कि सभी क्षेत्रों में महिलाएं दिन–प्रतिदिन बहुत अच्छा काम कर रही हैं। आज की महिलाएं हर तरह से आत्मनिर्भर नहीं हैं और हर काम करने में सक्षम हैं।
कार्यक्रम के अंत में 3 दिव्यांग महिला उर्मिला यादव (दृष्टिबाधित), गायत्री यदु (अस्थिबाधित) और सकुंतला वर्मा (दृष्टिबाधित) को राज्य स्तरीय मैराथन और राष्ट्रीय स्तर की जूडो चौंपियनशिप में अच्छी स्थिति हासिल करने के लिए अल्ट्रा–टेक सीएसआर द्वारा पुरस्कार दिया गया। इसके बाद धन्यवाद ज्ञापन देकर कार्यक्रम समापन किया गया।

फोटोः– अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम

कार्यक्रम का नाम– दिव्यांग संघ बैठक/ दिव्यांग महिला संगठन

प्रतिभागी संख्या– 12 महिला 17 पुरूष कुल 39

कार्यक्रम स्थान– योग भवन बलौदाबाजार

कार्यक्रम विवरण– दिनॉक 26.03.2019 को एक दिवसीय जिलास्तीरय जनमानव विकलांग कल्याण संघ का बैठक आयोजन योग भवन बलौदाबाजार में किया गया बैठक का शुरूआत आपसी परिचय के साथ किया गया बैठक का नेतृत्व गृहिणी स्वयं सेवी संस्था द्वारा किया गया जिसमें साइटसेवर्स, युरोपियन युनियन का सहयोग रहा एवं संचालन समर्थ ट्रस्ट से स्टेट डी.पी. ओ. कोआर्डिनेटर रिम्पा वर्मा द्वारा किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य दिव्यांग संघ में दिव्यांग महिला संगठन का गठन करना इस कार्यक्रम में 12 महिला 17 पुरूष कुल 39 जिला बलौदाबाजार के चार ब्लाक सिमगा, बलौदाबाजार, भाटापारा, पलारी से सक्रिय दिव्यांग संघ सदस्य उपस्थित थे। उक्त बैठक में महिला संगठन के माध्यम से दिव्यांग महिला को जागरूक करना जिससे की दिव्यांग महिला उत्पीडन, हिंसा एवं लैंगिक असमानता व महिला सशक्तिकरण पर दिव्यांगो के लिए समाज का ध्यानकर्षण किया जा सके साथ ही सभी दिव्यांग महिला समाज की मुख्यधारा से जुड सके तथा दिव्यांग महिलाओं को भी आगे आने का अवसर मिले। रिम्पा वर्मा के द्वारा संघ के सदस्यों को अवगत कराया गया की दिव्यांग महिला संगठन समाज में हो रहे महिला हिंसा व अत्याचार तथा शोषण के मुद्दे को पहचान कर दिव्यांग महिलाओं का सशक्तिकरण करके महिलाओं की भागीदारी बढ़ायेगें। ततपश्चात दिव्यांग महिलाओं द्वारा परिवार एवं समाज से हो रहे समस्या पर चर्चा किया गया। रिम्पा वर्मा ने प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि दिव्यांग महिला संघ पीड़ित महिला के परिवार से मिलकर उसके समस्या पर परिवार के सदस्यों से चर्चा कर उनके मानसिक सोच में परिवर्तन लाने की कोशिश करेगें जिससे की दिव्यांग महिलाऐं घर से बाहर निकलकर अधिकार का उपयोग कर सकें। बैठक के दौरान जनमानव विकलांग कल्याण संघ जिला बलौदाबाजार एवं विकास खण्ड स्तरीय महिला संगठन तैयार करने पर चर्चा किया गया। तथा उपस्थित दिव्यांगो ने जिलास्तरीय महिला समिति गठन हेतु सहमति देकर उपस्थित उम्मीदवार का नाम दिव्यांगो द्वारा मनोनित कर सर्व सम्मती से अध्यक्ष सावित्री यदु, उपाध्यक्ष गिरजा साहु, सचिव लक्ष्मी ध्रुव, कोषाध्यक्ष लोकनाथ साहु, सहसचिव टुनेन्द्र साहु सदस्य भगवती साहु, भोलेश्वरी वर्मा एवं मधुबाला मांजरे मिडिया प्रभारी राजेश वर्मा का चयन किया गया साथ ही सभी पदाधिकारीयों को जिम्मेदारीयों से अवगत कराया गया।

इसी प्रकार एवं विकास खण्ड स्तरीय महिला संगठन तैयार किया गया है जिसमें सदस्यों की संख्या निम्न है–सिमगा 5 महिला 2 पुरूष, बलौदाबाजार 5 महिला 2 पुरूष , पलारी 5 महिला 2 पुरूष, भाटापारा 4 पुरूष को चयनित कर ब्लाक स्तर पर कार्य करने के लिए कार्य योजना बनाकर जिम्मेदारी सौपा गया है।

फोटोः– दिव्यांग संघ बैठक/ दिव्यांग महिला संगठन

उपलब्धिः–

क्रमॉक	योजनाएँ	उपलब्धि 2018–19
1	विकलांगता प्रमाण पत्र	618
2	दृष्टि बाधित कैम्प में भागीदारी	37
3	विवाहित दिव्यांग	206
4	बी.पी.एल.राशन कार्ड	111
5	परिवार राशन कार्ड	294
6	वोटर आई.डी.कार्ड	257
7	आधार कार्ड	786
8	सहायक उपकरण	423
9	मनरेगा कार्ड	104
10	पेंशन	97
11	बस पास	24
12	बैंक खाता	258
13	प्रधानमंत्री/इंदिरा आवास प्राप्त	18
14	एन.एच.एफ.डी.सी से ऋण प्राप्त	09
15	अन्य स्त्रोत से अनुदान प्राप्त	85
16	स्मार्ट कार्ड	293
17	क्षमता विकास प्रशिक्षण	708
18	आजिविका प्रशिक्षण	97
19	रोजगार मेला में भाग	16
20	दिव्यांग संघ सदस्य	562
21	दिव्यांग समूह सदस्य	291
22	नया समूह निर्माण	40
23	एन.आर.एल.एम. समूह	29
24	आजिविका से जुड़े समूह	14
27	समूह का खाता खुला	16
26	समूह द्वारा रेगुलर बचत	34
27	बाजार से जुड़ा समूह	08
28	रेल पास	43
29	जागरूकता कार्यक्रम	13

–: सफलता की कहानी :–

सफलता की कहानी 1 (केस स्टडी)

वर्ष 2014 के सर्वेक्षण में बलौदा बाजार के सिमगा ब्लाक में समूह के गठन के लिए तहत छ.ग. सामाजिक सामावेशी कार्यक्रम के अंतर्गत इस कार्यक्रम के तहत सावित्री यदु और संगीता मार्कण्डेय ने समूह गठन के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए आयोजित किया गया। उसके बाद अन्य निष्क्रिय महिला समुह महिलाओं को सारी जानकारी साझा करते है तब जानकी साहू ने समूह बनाने के लिए आयोजित किया गया। उसके बाद वे अन्य निष्क्रिय महिलाओ की सारी जानकारी साझा कर जिसमें वह स्वयं सहायता समूह में विकलांग महिलाओ को शामिल करना चाहते और अन्य महिलाओ को अपने समूह में शामिल समूह मे शामिल होने के लिए प्रेरित करना शुरू करते है। वर्ष 2015 में महिलाओं के एक छोटे समूह ने बहिनी स्वयं सहायता समूह की शुरूआत की जिसमें सभी सदस्य अस्थि बाधित है और वे हर महीने बैठक शुरू कर देते है और 100 रूपये हर महीने बचत करने का निर्णय लिया। समूह सदस्य ने अपनी आजिविका कमाने के लिए उद्यम सिलाई शुरू करने का फैसला किया। छ.ग. सामाजिक सामाजिक सामावेशी परियोजना के अंतर्गत बहिनी स्व सहायता समूह सदस्य पहले सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त कर अधिक डिजाइनर कपड़ो और उनके उदयम की वृद्धि की आय बढ़ाना शुरू कर दिया। इसके अलावा सदस्यो को हाथ बैग सिलाई भी लगे हुए है। भारतीय स्टैट बैंक में बहिनी समूह का बैंक में खाता खुला। छ.ग. सामाजिक सामावेशी परियोजना के अंतर्गत अपने समूह की शैक्षणिक भ्रमण करते है और उन्हे मार्गदर्शन करते है ताकि वे अपना व्यवसाय को आसानी से चला सके। व्यावसायिक योजना भी बहिनी समूह सिलाई व्यवसाय के लिए एक साईटसेवर्स के द्वारा बनाई गई थी । ताकि वे बड़े पैमाने पर अपना व्यवसाय बढ़ा सके और अधिक लाभ कमा सके। देवांगन हाउस खरोरा सुमित सिंफैब इंडिया प्राइवेट में उनके सिलाई इंटरप्राइजेस एक्सपोजर विजिट का विस्तार करने के लिए भी आयोजन किया गया था। लिमिटेड रायपुर ताकि वे सीख सकें कि वे व्यवसाय का प्रबंधन कर सके । व्यवसाय की नवीनतम सिलाई एवं डिजाईन और विक्रय हेतु योजना बनाई गई। शैक्षणिक भ्रमण के बाद बहिनी समूह ब्लाउज और पेटीकोट सिलाई के अच्छी तरह से कर रहे है। भविष्य में समूह के द्वारा नजदीकी गांव की अन्य विकलांग महिलाओ और गैर महिलाओ को सिखाने के लिए एक सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र खोलने की योजना बना रही है। वे शासकीय स्कुल में स्कुल ड्रेस सिलाई हेतु आवेदन किया गया है। समूह वर्तमान में 19000 रूपये प्रति माह कमाता है।

सफलता की कहानी 2

शकुन्तला वर्मा , दिव्यांगता – दृष्टि बाधित

उम्र – 23 , शिक्षा 2 री

पता – ग्राम तारासींव , विकासखण्ड – तिल्दा

जिला– रायपुर (छ.ग.)

संस्था से जुड़नें के पहले परिवारिक स्थितिः– शकुन्तला वर्मा ग्राम तारासींव ब्लाक तिल्दा जिला रायपुर मे रहता है। ये बहुत ही गरीब परिवार की लड़की है वह अपने मॉ और दो भाइयों के साथ रहती है वह दृष्टि बाधित होने एवं आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण कक्षा 2 री तक पढ सकी आजिविका के लिए मॉ पान की दुकान चलाती थी आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण पान दुकान ज्यादा दिन नही चल सका।

गृहिणी परियोजना से जुड़नें के बाद :– वर्ष 2016 में गृहिणी कार्यकर्ता ने बेसलाईन सर्वे के माध्यम से मुलाकात की और उन्हे शासन की योजनाओ, विकलांग व्यक्तियो के अधिकारो से संबंधित जानकारी दी गई गृहिणी संस्था एवं साईटसेवर्स के संयुक्त प्रयास से दृष्टिबाधित लड़कीयो को आत्मरक्षा प्रशिक्षण आयोजित कर दिव्यांग लड़कियो को सशक्त बनाने का प्रयास करती है। इसके बाद उन्हे 5 वीं राष्ट्रीय पैरा जूडो चैम्पियनशिप के लिए चुना गया नवम्बर 2017 में 63 किलोग्राम रजत पदक जीता। एवं राज्य स्तर जूडो चयन प्रतियोगिता के लिए बिलासपुर गए और उन्हे 6 वें राष्ट्रीय दृष्टिबाधित/मुकबधिर जुडो चैमपियन के लिए चुना गया। उसके बाद दिसम्बर 2017 में गृहिणी और साईटसेवर्स दृष्टिबाधित/अल्पदृष्टि बाधित लड़के लड़कीयो के लिए 5 दिवसीय जूडो प्रशिक्षण में भाग लेकर जिसमें उन्हे राष्ट्रीय स्तर की जूडो चैम्पियन का अभ्यास कर प्रशिक्षण प्राप्त किया। 6 वीं राष्ट्रीय दृष्टिबाधित/ मुकबधिर 2018 ,लखनऊ में 78 किलोग्राम रजत पदक जीता । बलौदाबाजार के कलेक्टर महोदय ने उसे सम्मानित किया आने वाले राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर के जुडो चैंम्पियन में भाग लेने के बारे में जानकारी दी। अब शकुन्तला को आई.बी. एस.ए. जूडो विश्वकप एशियाई, एटाल्या, तुर्की में भाग लेने का अवसर मिला जो 19 अप्रैल से 20 अप्रैल 2018 को शेडयुल करने जा रहा था।

सफलता की कहानी 3

माल्ती साहू , दिव्यांगता – दृष्टि बाधित

उम्र – 21 , शिक्षा 3 री

पता – ग्राम कारी , विकासखण्ड – बलौदाबाजार

जिला– बलौदाबाजार भाटापारा (छ.ग.)

संस्था से जुड़नें के पहले परिवारिक स्थितिः– कु. माल्ती साहू ग्राम कारी के ब्लाक व जिला बलौदाबाजार की रहने वाली है इन्के परिवार में माता–पिता और दो भाई और एक बहन के साथ रहती है ये अपने सभी भाई बहनो से सबसे बडी है माता– पिता श्रमिक के रूप में काम करते हैं उनके भाई शादी करने के बाद अलग रहने लगा। जन्म से अंधी होने के कारण प्राथमिक पढ़ाई गॉव में कक्षा 3 री तक कर सकी माता–पिता को अपने घर से 1किमी. दूर भेजने के लिए परेशानी का सामना करना पडता रहा था जिसके लिए उन्हे रोजना स्कुल छोडने वाले किसी भी सहयोगी नही मिल रहा था।

गृहिणी परियोजना से जुड़नें के बाद :– वर्ष 2016 में गृहिणी कार्यकर्ता ने बेसलाईन सर्वे के माध्यम से मुलाकात की और उन्हे शासन की योजनाओ , विकलांग व्यक्तियो के अधिकारो से संबंधित जानकारी दी गई उन्होने ग्राम में समूह बनाने का नेतृत्व कर जय सितबाबा दिव्यांग स्व सहायता समूह के रूप में सचिव क रूप में चुना गया यह माल्ती के जीवन का सबसे बड़ा मोड़ था समूह महीने में बैठक और बचत करने एवं उपयोग करते है। गृहिणी संस्था एवं साईटसेवर्स के संयुक्त प्रयास से दृष्टिबाधित लड़कीयो को आत्मरक्षा प्रशिक्षण आयोजित कर दिव्यांग लड़कियो को सशक्त बनाने का प्रयास करती है। इसके बाद उन्हे 5 वीं राष्ट्रीय पैरा जूडो चैम्पियनशिप के लिए चुना गया। समूह के सदस्य मासिक आधार पर बैठक और बचत करने के लिए उपयोग करतें और समूह को विधायक कोष से अनुदान के रूप में सन् 2017 में 2000 रूपये बेल सीखने के लिए फाउंडेसर में नामांकित किया। एक वर्ष की अवधि में उन्होने विभिन्न प्रशिक्षण और गतिविधि जैसे दैनिक जीवन कौशल, सशक्त नेत्री प्रशिक्षण, हॉफ मैराथन, दृष्टि बाधित अल्प दृष्टि बाधित लड़की का आत्मरक्षा प्रशिक्षण में सक्रिय भागीदारी की इसी तरह से बिलापुर में आयोजित जुडो प्रशिक्षण भाग लिया, जहॉ उन्होने जूडो के विभिन तकनीको को सीखा तथा 5 वें राष्ट्रीय जूडो दृष्टिबाधित और मुकबधिर पैरालिम्पिक जूडो 2017 हरियाणा, गुडग्राम के लिए चुना गया 53 किलोग्राम श्रेणी में कास्य पदक जीता श्री राजेश सिंह राणा कलेक्टर जिला बलौदाबाजार ने उन्हे सम्मनित किया उन्हे 7000 नकद पुरूस्कार दिया गया। आगामी जुडो चैम्पियन में भाग लेने के लिए प्रेरित किया 26 जनवरी 2017 को उन्हे ग्राम पंचायत में सम्मानित किया गया जिसमें जुडो में कास्य पदक जीतने पर 500 रूपये नकद पुरूस्कार दिया गया था। विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर दिसम्बर 2017 में दृष्टि बाधित अल्प दृष्टि बाधित लडके/लड़की जुडो प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें उन्हे 6 वें राष्ट्रीय जूडो दृष्टिबाधित और मुकबधिर चैम्पियनशीप 2018 लखनाउ में 55 किलोग्राम श्रेणी में में सिल्वर मेडल प्राप्त किया जिसें समाज कल्याण विभाग बलोदाबाजार से 15000हजार रूपये का प्रात्साहन राशि खेल

विभाग द्वारा जिले के दिव्यांग द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु दिया गया। रायपुर गोंइग पिंक मैराथन के लिए दिसम्बर 2018 में आइकॉन चयन किया गया। 7 वें राष्ट्रीय जूडो दृष्टिबाधित और मुकबधिर चैम्पियनशीप 2019 गोरखपुर उ.प्र. में भाग लिया वर्तमान में वह अपना दैनिक कार्य स्वयं करने में सक्षम है। अब मालती हर शनिवार को किशोरी लड़कियो को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दे रही है ताकि वह स्वयं की रक्षा कर सकें।

सफलता की कहानी 4

जागेश्वरी वर्मा , दिव्यांगता – दृष्टि बाधित

उम्र – 22 , शिक्षा 2री

पता – ग्राम देवरी , विकासखण्ड – बलौदाबाजार

जिला– बलौदाबाजार भाटापारा (छ.ग.)

संस्था से जुड़नें के पहले परिवारिक स्थितिः– जागेश्वरी वर्मा ग्राम देवरी के ब्लाक व जिला बलौदाबाजार की रहने वाली है इनके परिवार में माता–पिता और दो बडें भाई के साथ रहती है माता– पिता कृषक के रूप में काम करते हैं जन्म से अंधी होने के कारण प्राथमिक पढ़ाई गॉव में कक्षा 2 री तक कर सकी जागेश्वरी मध्यमवर्ग परिवार से संबधित है उनके परिवार के पास 4 एकड़ कृषि भुमि है जो कि वर्षा पर निर्भर है उसलिए पर्याप्त उत्पादकता में उनके माता पिता अपनी जरूरत कर पाना मुश्किल है इसलिए उनक माता पिता अपनी परिवारिक जरूरतो को पुरा करने के लिए मजदुरी करते है।

गृहिणी परियोजना से जुड़नें के बादः– वर्ष 2016 में गृहिणी संस्था के बेसलाईन सर्वे के दौरान उनकी मुलाकत हुई जिसमें उन्हे शासन की योजनाओ की जानकारी दी गई विकलांग समूह व उनके लाभ के बारे में जानकारी दी गई गृहिणी संस्था एवं साईटसेवर्स के संयुक्त प्रयास से दृष्टिबाधित लड़कीयो को आत्मरक्षा प्रशिक्षण आयोजित कर दिव्यांग लड़कियो को सशक्त बनाने का प्रयास करती है। इसके बाद उन्हे 5 वीं राष्ट्रीय पैरा जूडो चैम्पियनशिप के लिए चुना गया एक वर्ष की अवधि में उन्होने विभिन्न प्रशिक्षण और गतिविधि जैसे दैनिक जीवन कौशल, सशक्त नेत्री प्रशिक्षण, हॉफ मैराथन, दृष्टि बाधित अल्प दृष्टि बाधित लड़की का आत्मरक्षा प्रशिक्षण में सक्रिय भागीदारी की इसी तरह से बिलापुर में आयोजित जुडो प्रशिक्षण भाग लिया, जहॉ उन्होने जूडो के विभिन तकनीको को सीखा तथा 5 वें राष्ट्रीय जूडो दृष्टिबाधित और

मुकबधिर पैरालिम्पिक जूडो 2017 हरियाणा, गुडग्राम के लिए चुना गया 44 किलोग्राम श्रेणी में कास्य पदक जीता श्री राजेश सिंह राणा कलेक्टर जिला बलौदाबाजार ने उन्हे सम्मनित किया उन्हे 7000 नकद पुरूस्कार दिया गया। आगामी जुडो चैम्पियन में भाग लेने के लिए प्रेरित किया 26 जनवरी 2017 को उन्हे ग्राम पंचायत में सम्मानित किया गया जिसमें जुडो में कास्य पदक जीतने पर 500 रूपये नकद पुरूस्कार दिया गया था। विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर दिसम्बर 2017 में दृष्टि बाधित अल्प दृष्टि बाधित लडके/लड़की जुडो प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें उन्हे 6 वें राष्ट्रीय जूडो दृष्टिबाधित और मुकबधिर चैम्पियनशीप 2018 लखनाउ में 44 किलोग्राम श्रेणी में भाग लिया था इस वर्ष 7 वें राष्ट्रीय जूडो दृष्टिबाधित और मुकबधिर चैम्पियनशीप 2019 गोरखपुर उ.प्र. में भाग लिया गया वर्तमान में वह अपना दैनिक कार्य स्वयं करने में सक्षम है। हर शनिवार को किशोरी लड़कियो को नजदीक गॉव सुलौनी परागॉव मू 6वी से 8 वीं कक्षा के लड़कीयो को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दे रही है ताकि वह स्वयं की रक्षा कर सकें। जागेश्वरी दृष्टिहीन व अन्य लड़कियो को प्रेरित करना चाहता है।

सफलता की कहानी 5

सत्यम गृहिणी दिव्यांग स्व सहायता समूह

पता – ग्राम पुरैना खपरी , विकासखण्ड – बलौदाबाजार

जिला– बलौदाबाजार भाटापारा (छ.ग.)

गृहिणी परियोजना से जुड़नें के बाद :– वर्ष 2016 में गृहिणी संस्था के बेसलाईन सर्वे के दौरान उनकी मुलाकात हुई जिसमें उन्हे शासन की योजनाओ की जानकारी दी गई विकलांग समूह व उनके लाभ के बारे में जानकारी दी गई यह समूह वर्ष 2017 में विकलांग व्यक्तियो ने मिलकर समूह गठन किया गया। 6 महिला सदस्य 4 पुरूष कुल 10 सदस्य हैं। समूह सदस्यो के द्वारा नियमित मासिक बैठक कर समूह उद्देश्य विकलांग साथियों का आर्थिक सामाजिक स्थिति में सुधार करना है। खासकर दिव्यांगो की आय बढ़ाने के लिए संस्था द्वारा समूह गठन प्रत्येक सदस्य प्रति माह 100 रूपये जमा करना बैंक का खाता खुलवाना आदि की जानकारी संस्था द्वारा दी गई है। समूह ने आजिविका गतिविधि बढ़ाने के लिए फैसला कर ग्राम पंचायत में 25जनवरी 2018 को मछली पालन के लिए आवेदन जमा किया है। समूह ने ग्राम के तालाब कल्याणसागर को लीज पर लेने के लिए बलौदाबाजार कलेक्टर आवेदन जमा करने के बाद मत्स्यपालन विभाग के अधिकारियो ने निरीक्षण के लिए समूह को निर्देष दिया कि कम से कम 3 सदस्य का 2002 सर्वेक्षण सूची में और उन्हे मछुवारे परिवार का होना चाहिए उन्हाने कहॉ है कि सत्यम गृहिणी दिव्यांग स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के लिए प्रशिक्षण भी आयोजित करेंगे , ताकि उचित तरीके से मछली पालन शुरू कर सके और अपनी आजिविका कमा सकें।

सफलता की कहानी 6

नेहरू वर्मा, दिव्यांगता – दृष्टि बाधित

उम्र – 27 , शिक्षा– 10 वी

पता – ग्राम देवसुन्द्रा , विकासखण्ड – पलारी

जिला– बलौदाबाजार भाटापारा (छ.ग.)

संस्था से जुड़नें के पहले परिवारिक स्थितिः– नेहरू वर्मा ग्राम देवसुन्द्रा ब्लाक पलारी के एक गरीब परिवार उसकी शिक्षा 10 वी तक पड़ सका और आगे की शिक्षा अध्ययन करने में सक्षम नही थे क्योकि उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नही थी फिर उन्होने अपने आर्थिक रूप से मदद करने के लिए दैनिक मजदुरी कार्य करना प्रारंभ कर दिया दुर्भाग्यवश सन 2012 में सिरदर्द से पीड़ित हो गया डॉक्टर से इलाज कराने के बाद भी धीरे–धीरे उनकी ऑखो की रोशनी चली गई जिससे वह मानसिक रूप से कमजोर हो गया इस कारण वह अकेलापन महसूस करने लगा घर परिवार और गॉव से दुर होने लगा था।

गृहिणी परियोजना से जुड़नें के बाद :– वर्ष 2015 में गृहिणी संस्था के बेसलाईन सर्वे के दौरान उनकी मुलाकत हुई जिसमें उन्हे शासन की योजनाओ की जानकारी दी गई विकलांग समूह व उनके लाभ के बारे में जानकारी दी गई गृहिणी संस्था एवं साईटसेवर्स के संयुक्त प्रयास से बालाजी दिव्यांग स्व सहायता समूह का गठन किया इसके बाद नेहरू ने लीडरशीप, बकरी पालन, स्मार्ट केन, क्षमता विकास ,रस्सी निर्माण, जूडो का प्रशिक्षण गृहिणी संस्था एवं साईटसेवर्स के मदद से लिया प्रशिक्षण के पश्चात अपनी आय बढ़ाने के लिए छोटे स्तर पर बकरी पालन प्रारंभ कर दिया जिसे वह धीरे से बड़े पैमाने में करना चाहता है। जूडो प्रशिक्षण के बाद 6वी राष्ट्रीय जूडो चैम्पियनशिप लखनउ उत्तरप्रदेश चयनित हुआ है। इसके अलावा आत्मनिर्भर व प्रेरित करने के जिला एवं ब्लाक के दिव्यांग साथियों को शासन की योजनाओ का जानकारी दे रहा एवं स्व वकालत के माध्यम से ब्लाक एवं जिला के दिव्यांगो की समास्याओं पर शासकीय अधिकारी से बात कर समस्या को दूर करता है आज नेहरू दृष्टिबाधित दिव्यांग होकर अन्य दिव्यांग का प्रेरणा के रूप में उभर कर सामने आया।

सफलता की कहानी 7

कुमारी चंपा पटेल, दिव्यांगता – अस्थि बाधित

पिता–रामकुमार पटेल, माता– दुलारी बाई

उम्र – 22 , शिक्षा– 10 वी

पता – ग्राम ताराशिव , विकासखण्ड – बलौदाबाजार, जिला– बलौदाबाजार भाटापारा (छ.ग.)

संस्था से जुड़नें के पहले परिवारिक स्थितिः– चंपा पटेल ग्राम ताराशिव ब्लाक बलौदाबाजार के एक गरीब परिवार से है जिसमें दो भाई एक बहन चंपा की एक बड़ा भई और एक छोटा बहन है आर्थिक रूप से कमजारे परिवार होने के कारण मॉ बाप प्रत्येक वर्ष पलायन कर जाते है घर पर चंपा घर क खर्च के साथ–साथ सिलाई कार्य कर अपने दोनो भाईयों के खर्च भी वहन करती है। चंपा की पढ़ाई परिवार की रूढीवादी सोच व स्कुल तक आने जाने समस्या के कारण उसकी शिक्षा 10 वी से आगे नही हो पाई पर वो अपने भाईयों को पूरी शिक्षा देने में अड़ी है।

गृहिणी परियोजना से जुड़नें के बाद :– वर्ष 2016 में गृहिणी संस्था के बेसलाईन सर्वे के दौरान उनकी मुलाकत हुई जिसमें उन्हे शासन की योजनाओ की जानकारी दी गई विकलांग समूह व उनके लाभ के बारे में जानकारी दी गई गृहिणी संस्था एवं साईटसेवर्स के संयुक्त प्रयास से नयी डिजाईन की ट्रेनिंग लेने के बाद चंपा गावॅ की पडोसियों के कपडो के साथ–साथ बाहर से आर्डर लेकर बैग सिलाई करती है साथ अपने गॉव के बेरोजगार लडकीयों को सिलाई सिखाती है और सिलाई के बाद (वेस्टेज) खराब कपडो का पैरदान भी बनाती है पर इन सब काम को करने के लिए चम्पा सभी सिलाई करने वाली लडकियो और अपने साथ दिव्यांग हेमबती पटेल को शामिल कर एक समूह गठन की समूह का नाम सक्षमगृहिणी दिव्यांग स्व सहायता समूह रख गया। चम्पा अब सिलाई का काम अपना सिलाई का काम अपने ही घर पर पॉच सिलाई मशीन रखकर (ग्रुप) समूह में कर रही है। इससे पहले जब चम्पा के पास समूह नही था तब महीने में 5000 रूपये कमाती थी। समूह बनाने के बदा समूह द्वारा सिाई करने पर चम्पपा महिने की 5000–8000 रूपये तक कमा रही है और आर्डर और ग्राहक का कपडा समय पर दे देती है। जिसमें ग्राहक को भी समय पर कपडा मिल जाता है।

अब चम्पा बहुत खुश है समूह के साथ सिलाई करऔर आगे कोई बडा आर्उर लेकर सिलाई कार्य करने को तैयार है।

सफलता की कहानी 8

रामकुमार पटेल , **दिव्यांगता – अस्थि बाधित 60 प्रतिशत**

पिता–ढिमरा राम पटेल

उम्र – 29 वष, शिक्षा– 8 वी

पता – ग्राम लाहौद , विकासखण्ड – बलौदाबाजार,

जिला– बलौदाबाजार भाटापारा (छ.ग.)

संस्था से जुड़नें के पहले परिवारिक स्थितिः– रामकुमार पटेल ग्राम लाहौद ब्लाक बलौदाबाजार के एक मध्यमवर्गीय किसान परिवार से है जिसमें दो भाई है रामकुमार बचपन से ही कुछ करना चाहता था गॉव के स्कुल दुर होने के कारण आने जाने में समस्या होने के कारण आगे की पढ़ाई नही कर पाया।

गृहिणी परियोजना से जुड़नें के बाद :– वर्ष 2016 में गृहिणी संस्था के बेसलाईन सर्वे के दौरान उनकी मुलाकत हुई जिसमें उन्हे शासन की योजनाओ की जानकारी दी गई रामकुमार अपने गॉव मे दिव्यांग समूह बनाकर समूह में फिनाइल की मार्केटिंग भी करते है जिससे माह में 300–400 रूपये कमा लेता है। साथ ही रामकुमार टेलर्स का भी काम करता है रामकुमार जिलाचिक्त्सिालय बलौदाबाजार से संपर्क कर वार्ड बॉय स्टॉफ नर्स , ए.एन.एम. के लिए ड्रेस सिलने का कार्य करता है जिससे उन्हे प्रति सेट का 350 रू. मिलता है जिसमें रामकुमार अपने ही समूह की धनंजय देवांगन , कुमारी साधमती ध्रुव, जो सिलाई कार्य करते है उन्हे भी गॉव व बाहर से सिलाई कार्य का टेंडर लेकर कार्य करवाना जिनसे रामकुमार को प्रतिमाह 6–8 हजार रूपये की आय होती है। रामकुमार पिछला परिचय सम्मेलन परिचित होकर गैर दिव्यांग छेदीन पटेल से विवाह किया है अब रामकुमार अपने परिवार में बहुत ही खुश है।

सफलता की कहनी 9

टेकराम , दिव्यांगता – अस्थि बाधित

उम्र – 28 , शिक्षा 10 वीं

पता – ग्राम डमरू , विकासखण्ड – बलौदाबाजार

जिला– बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.)

संस्था से जुड़नें के पहले परिवारिक स्थितिः– अपने माता–पिता और 3 भाई–बहनों के साथ ग्राम–डमरू विकासखंण्ड एवं जिला बलौदाबाजार में रहने वाले दिव्यांग टेकराम उनके माता–पिता हर साल आजीविका के अवसर की तलाश में घर से बाहर करने जाते हैं। जब उनके माता–पिता दूसरी जगह चले जाते हैं तो टेकराम अपनी दादी के साथ रहते थे। मध्यम वर्गीय परिवार से ताल्लुक रखते हैं और वित्तीय समस्या और गाँव में शिक्षा की सुविधा के अभाव के कारण उन्हें 10 वीं कक्षा के बाद छोड़ दिया गया।

गृहिणी परियोजना से जुड़नें के बाद :– वर्ष 2016 में वह गृहिणी संस्था के बेसलाईन सर्वे संपर्क में आए और छ.ग. सामाजिक समावेशी कार्यक्रम के तहत् विकलांग अधिकारों और अधिकारों के बारे में व्यक्ति के बारे में जानकारी दिया गया। उन्होंने विभिन्न कौशल विकास प्रशिक्षण, नेतृत्व और क्षमता निर्माण प्रशिक्षण प्राप्त किया। गृहिणी संस्था विकलांग व्यक्ति स्व–सहायता समूह के महत्व को भी साझा किया और फिर उन्होंने अपने गांव में स्व–सहायता बनाने की पहल की और इसे दिव्यांग जन कल्याण सबल समहू नाम दिया और धीरे–धीरे वे अपने समूह में पैसा बचाना शुरू करते हैं ताकि भविष्य में वे कोई भी आजीविका गतिविधि शुरू कर सकें।

उन्होंने कहा कि वह कभी नहीं चाहते थे कि उनके परिवार को उनकी देखभाल करने के कारण बोझ महसूस हो, इसलिए उन्होंने अपने घर पर सिलाई का काम प्रारंभ किया और लगभग 2000 रुपये प्रति माह कमाने हो जाता है, लेकिन उनके पास अपने सिलाई के काम का विस्तार करने के लिए अपने सिलाई कार्य का विस्तार करने के लिए दिव्यांग समूह के लिए दुकान आवंटन के लिए ग्राम पंचायत को अपने स्वयं सहायता समूह की ओर से स्ववकालत की। अब ग्राम पंचायत द्वारा समूह को दुकान आवंटित की गई है और अब वह उस दुकान में सिलाई का काम कर रहा है और प्रति माह 5000 से 6000 रुपये तक की राशि प्राप्त हो जाती है। उनका मानना है कि दुकान से कमाई से उन्हें अपने पारिवारिक सपने को पूरा करने में मदद मिलेगी। आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनने की उनकी कोशिश और परिवार और अन्य गाँवों द्वारा उनकी सराहना की जाती है

प्रेस रिलीज

अधिकारों के लिए दिव्यांगों ने निकाली रैली
दिव्यांगों को दिया गया प्रशिक्षण
पेंशन बढ़ाने की मांग, दिव्यांगों का प्रदर्शन
स्पर्धाओं में प्रतिभागियों ने दिखाई प्रतिभा
राष्ट्रीय दिव्यांग खेल के मैडल विजेता सम्मानित
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं...